

जयपुर, राजस्थान
मौसम

अधिकतम

31.0°C

न्यूनतम

25.0°C



सूर्योदय

5:44 AM



सूर्यास्त

7:22 PM

जूम न्यूज़
राजस्थान

वर्ष: 01

अंक: 07

पृष्ठ: 8

मूल्य: ₹2.00

जयपुर, बुधवार 22 जुलाई, 2026

जयपुर, राजस्थान

राज्य: 01

अंग्रेजी/हिन्दी (द्विभाषिक दैनिक)

पीएम आवास के बाहर बड़ा हंगामा

राहुल-प्रियंका का धरना,
कई सांसद हिरासत में

चरणजीत सिंह चन्नी समेत कई कांग्रेस नेता हिरासत में लिए गए

दिल्ली से
विशेष रिपोर्ट

“

यह BJP का टेररिज्म है।
वे स्टूडेंट्स की नहीं सुनते हैं।- चरणजीत सिंह चन्नी
कांग्रेस सांसद

“

हमें बेरहमी से हिरासत में
ले रहे हैं। कल दिल्ली पुलिस
ने हमारे स्टूडेंट्स पर हमले
किए थे।- के सुरेश
कांग्रेस सांसदकांग्रेस ने पीएम, गृह मंत्री
और शिक्षा मंत्री के
इस्तीफे की मांग कीराहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने पीएम
आवास तक विरोध मार्च किया और प्रधानमंत्री
नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और शिक्षा मंत्री
धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।‘छात्रों पर बर्बर कार्रवाई
को लेकर जवाब मांगने
पीएम आवास तक आए’सरकार न तो इस मामले की जिम्मेदारी लेना चाहती
है और न ही संसद में इस पर चर्चा कराना चाहती है।
देश के युवाओं का भविष्य बर्बाद करने के लिए प्रधानमंत्री
और गृह मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।

- राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद (पोस्ट, एक्स पर)

विपक्ष को छात्रों के मुद्दे पर
चर्चा तक नहीं करने दे रही
सरकार : राहुल गांधीस्पीकर कह रहे हैं कि संसद में बहस कराने के
लिए भी उन्हें सरकार से इजाजत लेनी पड़ेगी।
हम छात्रों के मुद्दे पर बहस चाहते हैं, ये हमारा
संवैधानिक अधिकार है।जितेंद्र सिंह और राहुल के
बीच 20 मिनट बात

- राहुल ने NEET पर चर्चा और शिक्षा
मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग
की।
- जितेंद्र सिंह ने बताया- NEET पर चर्चा
मान ली गई थी, लेकिन राहुल अपनी
बात से मुकर गए।
- जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद
मोहन राहुल से मिलने पहुंचे थे।



कांग्रेस की PM आवास को घेरने की सीक्रेट प्लानिंग

खड़गे ने जन्मदिन
न मनाने का
ऐलान कियाछात्रों पर पुलिस कार्रवाई
के विरोध में जन्मदिन नहीं
मनाने का निर्णय।बधाई देने के बहाने
सीक्रेट मीटिंगराहुल, प्रियंका समेत कई
नेता खड़गे के आवास पर
जुटे।सरप्राइज मार्च की
शुरुआतमीटिंग के बाद सभी नेता
अचानक पैदल मार्च करते
PM आवास पहुंच गए।

पुलिस ने लाठीचार्ज किया, 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी मिलकर नेताओं को उठाकर बस में बैठाया



पुलिस जब राहुल को आरु खाने की साजिश थी. तब छात्रों की लड़ाई संसद से सड़क तक लड़ते रहेंगे। खून भी बहने लगा।

धरने पर बैठे राहुल को पुलिस
उठाकर ले गईराहुल, प्रियंका, खरगे, अखिलेश यादव समेत
कई नेता हिरासत मेंलगभग 3 घंटे तक चले धरने के बाद पुलिस ने
शाम साढ़े 6 बजे सभी नेताओं को हिरासत में
लिया और बस में बैठाकर ले गई।

अन्य बड़े अपडेट

दिल्ली प्रदर्शन में घायल छात्रा की हालत गंभीर

23 वर्षीय छात्रा को आरएमएल अस्पताल के ICU
में वेंटिलेटर सपोर्ट पर भर्ती किया गया है।

वांगचुक को मेदांता अस्पताल में भर्ती

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर सोनम वांगचुक को
सफदरजंग से मेदांता अस्पताल में शिफ्ट किया गया।

अरविंद केजरीवाल का दावा

संसद कूच के बाद केजरीवाल ने कई छात्रों के लापता
होने और पुलिस की बर्बर कार्रवाई का आरोप लगाया।

“यह युवाओं की आवाज दबाने की साजिश है। हम छात्रों की लड़ाई संसद से सड़क तक लड़ते रहेंगे।” - कांग्रेस का संकल्प

संपादकीय

सतत विकास के लिए विज्ञान और नवाचार विषय पर विद्यार्थियों से प्रविष्टियां आमंत्रित

एजेंसी, जूम न्यूज़

बीकानेर। दस से है सत्रह वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों को विज्ञान के नवाचारों के माध्यम से राष्ट्र स्तर पर पहचान बनाने का अवसर नेशनल चिल्ड्रन साईंस कॉंग्रेस-2026 द्वारा दिया जा रहा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग राजस्थान के राज्य समन्वयक मनीष जैन ने जयपुर में जारी एक परिपत्र में बताया है कि ‘नेशनल चिल्ड्रन साईंस कॉंग्रेस 2026’ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग,भारत सरकार की एक प्रतैगिषप गतिविधि है। उक्त गतिविधि का उद्देश्य 10-17 वर्ष की आयु वर्ग (10-14 जूनियर वर्ग व 14-17 सीनियर वर्ग) के छात्रों को अपने नवाचार और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने एवं विशेष रूप से विज्ञान की पद्धति का उपयोग करके स्थानीय स्तर पर अनुभव की जाने वाली सामाजिक समस्या को हल करने की अपनी क्षमता विकसित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित विषय ‘सतत विकास के लिए विज्ञान और नवाचार’ (Science and Innovation for Sustainability) रखा गया है।विभाग का फोकस नीलाम ब्लॉकों को परिचालन में लाने पर है। राज्य समन्वयक ने बताया कि नेशनल चिल्ड्रन साईंस कॉंग्रेस-2026 विद्यार्थियों में खोज की भावना को प्रोत्साहित करता है। यह प्रतिभागियों को स्थानीय प्रगति और सतत विकास के पहलुओं पर सवाल करने और अपने निष्कर्षों को स्थानीय भाषा में व्यक्त करने के लिए प्रेरित करता है। यह छात्रों को अपने ज्ञान का विस्तार करने और स्थानीय स्तर पर सार्थक योगदान देने का अवसर प्रदान करता है। इसमें भाग लेने हेतु सर्वप्रथम मार्गदर्शक शिक्षक को दो विद्यार्थियों के समूह मे किसी स्थानीय सामाजिक समस्या का चयन करना होगा। भारत सरकार द्वारा नेशनल चिल्ड्रन साईंस कॉंग्रेस 2026 के तहत पंजीकरण प्रक्रिया 01 जुलाई 2026 से प्रारम्भ किया जा चुका है।

मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य भवन में सुरक्षित मातृत्व सेवाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की



जयपुर, जूम न्यूज़

जयपुर। प्रदेश में सुरक्षित मातृत्व सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा गर्भवती महिलाओं के रेफरल प्रबंधन को डिजिटल माध्यम से सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस पर उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा फील्ड स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों को भी सभी प्रसूताओं की सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डलीय उपसमिति की बैठक सम्पन्न



जयपुर, जूम न्यूज़

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमण्डलीय उपसमिति के संयोजक डॉ. प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में राजकीय महाविद्यालयों एवं चिकित्सा संस्थानों के नामकरण संबंधी प्रस्तावों पर विचार एवं निर्णयार्थ मंत्रिमण्डलीय उपसमिति की बैठक मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक में कार्यसूची में शामिल विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श करते हुए निर्णय लिए गए। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह, विद्यालय शिक्षा मंत्री मदन

शिक्षा विभाग के बेदर्द हाकिम नहीं समझ रहे जीवन और मृत्यु से जूझ रहे मासूम शौर्य की वेदना

एजेंसी, जूम न्यूज़

बीकानेर। डीएमडी नामक असाध्य बीमारी से ग्रस्त जीवन और मृत्यु से संघर्ष करते मासूम शौर्य के पिता का ट्रांसफर कर शिक्षा विभाग ने बड़ी बेदर्दी का परिचय से दिया है।इस बीमारी से ग्रस्त मासूम शौर्य को करीब 16 करोड़ की दवा लग रही है और प्रत्येक सप्ताह उसे मेडिकल साईंस की बेहद दर्द भरी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, भारत सरकार द्वारा अमेरिका से मंगाई गई करोड़ों रुपए मूल्य की महंगी दवाई एम्स द्वारा शौर्य को कड़ी निगरानी में प्रति सप्ताह लगाई जाती है। राजस्थान सरकार द्वारा भी मासूम शौर्य को अलग से आर्थिक सहायता दी जाती है ताकि वो जीवन मृत्यु के इस संघर्ष से पार पा



जयपुर, जूम न्यूज़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खेल-खेल में युवाओं को राष्ट्र निर्माण, खेल और कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री युवा सुयोग का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं की शक्ति को सामर्थ्य में बदलने के लिए युवा सुयोग प्लेटफॉर्म एक सही दिशा, सही अवसर और सही मंच उपलब्ध कराएगा। क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी और फुटबॉल जैसे सामूहिक खेलों के माध्यम से प्रदेश की प्रत्येक पंचायत और वार्ड में युवा नेतृत्व विकसित होगा और वे अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 65 प्रतिशत युवा आबादी के साथ हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश है। यही युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि लगभग 65 प्रतिशत युवा आबादी के साथ हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश है। यही युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सक्रिय सहभागी बनाने के लिए माय भारत की अभिनव पहल की है। इसी से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने सुयोग प्लेटफार्म जैसी क्रांतिकारी शुरूआत की है। इस प्लेटफॉर्म को माय भारत पोर्टल के साथ एकीकृत किया जाएगा, ताकि युवा को इसका अधिक से

एक जिला-एक उत्पाद नीति-2024 के तहत उद्यमियों को मिलेंगे आकर्षक अनुदान, ई-कॉमर्स

एजेंसी, जूम न्यूज़

बीकानेर। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के विशिष्ट स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने तथा स्थानीय उद्यमों को प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से लागू की गई 'एक जिला एक उत्पाद नीति-2024' के तहत जिले के लिए 'बीकानेरी नमकीन' का चयन किया गया है। इस नीति के माध्यम से जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को वित्तीय सहायता, तकनीकी सहयोग, विपणन सुविधाएं तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ने सहित अनेक प्रकार के प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना 31 मार्च, 2029 तक प्रभावी रहेगी।

अधिक लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने बारां और बगरू के खिलाड़ियों और युवाओं से संवाद करते हुए उनके विचार जाने। युवाओं ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस पहल से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का प्रभावी मंच मिलेगा। साथ ही, युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर भी सुलभ होंगे। इस पर मुख्यमंत्री ने युवाओं से स्वास्थ्य जीवनशैली अपनाने और समाज में स्वास्थ्य जागरूकता के अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्थानीय प्रतिभाएं खेल के मैदान में देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलने का मौका मिलता रहे और उनकी रूचि विकसित हो, इसके लिए राज्य सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रही है। गांव से लेकर कस्बों तक खेल सुविधाओं एवं सेवाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। हमारी सरकार युवाओं से विभिन्न विषयों पर संवाद कर उनके सुझावों को बजट में शामिल कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में हर क्षेत्र में कार्य करते हुए युवाओं को सफलता की पहली से लेकर अंतिम सीढ़ी तक की यात्रा में पूर्ण सहयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य



सरकार की संशा है कि युवाओं के सुझावों के मुख्य आधार पर ही खेल की नीतियां तैयार की जाए। इसी क्रम में युवा सुयोग के अंतर्गत राज्य सरकार जमीनी स्तर पर प्रतियोगिताओं की शुरूआत करेगी। वार्ड और पंचायत स्तर से आगे बढ़कर विजेता टीम में विधानसभा क्षेत्र स्तर पर अपना हुनर दिखाएंगी और युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। युवा इसके लिए सुयोग पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए

स्कूल, कॉलेज तथा पंचायत और वार्ड के खेल मैदानों की डिजिटल पहचान भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि सुयोग प्लेटफार्म एक डिजिटल क्रांति है जो प्रदेश के हर गांव, हर वार्ड के अंतिम पंक्ति के युवाओं की ट्रैकिंग कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ेगी। इसके माध्यम से बड़ा सामाजिक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर सुयोग युवा क्लब स्थापित किए जाएंगे, जिनमें सुयोग प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत प्रत्येक युवा सदस्य होगा। ये जिला क्लब ग्रामीण

क्षेत्रों में पंचायत स्तर और शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर के युवा क्लबों से जुड़ेंगे। प्रारंभिक रूप से बगरू विधानसभा क्षेत्र और बारां जिले से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसकी शुरूआत जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा सुयोग के अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक केंद्रों पर विशेष पंजीकरण शिविर लगाए जाएंगे। युवाओं की नेतृत्व क्षमता को परखने के लिए स्वच्छता अभियान और डिजिटल साक्षरता जैसे स्वयंसेवक कार्य शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

राजस्थान कॉपरेटिव डेयरी फेडरेशन की पैकेजिंग उद्योग में बड़ी एंट्री

जयपुर, जूम न्यूज़

जयपुर। दुग्ध उत्पादन के विशाल उपक्रम आरसीडीएफ द्वारा जयपुर में 150 करोड़ का अत्याधुनिक पॉलीफिल्म प्लांट लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर डेयरी सेक्टर को यह बड़ा तोहफा माना जा रहा है।इसके लिए आरसीडीएफ और हिन्दुस्तान रिफाइनरी लिमिटेड के बीच जल्द एमओयू होगा।जानकारी के अनुसार 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता का स्वचालित प्लांट लगाया जाएगा। वर्तमान में लगभग 12-14 मैट्रिक टन प्रतिदिन पॉलीफिल्म की खपत होती है। आरसीडीएफ की एमडी श्रुति भारद्वाज ने बताया कि सरस दूध की पैकेजिंग के लिए खुद पॉली फिल्म बनाएगा जिससे बाहरी कंपनियों पर निर्भरता कम होगी और लागत भी घटेगी। उन्होंने बताया कि जिला दुग्ध संघों को सस्ती दर पर मिलेगी पॉली फिल्म वहीं आरसीडीएफ निजी डेयरियों को भी पॉली फिल्म सप्लाई करेगा। आरसीडीएफ का लक्ष्य राज्य में दूध संकलन 45 लाख लीटर से बढ़ाकर 65 लाख लीटर प्रतिदिन करने का है।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना अंतर्गत 54 हैक्टेयर क्षेत्रफल में फल बगीचा स्थापना के लक्ष्य

एजेंसी, जूम न्यूज़

बीकानेर। जिले में पूर्व में फल वृक्ष बगीचा स्थापना पर अनुदान उद्यान विभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत स्वीकृत किया जाता था। वहीं अब जिलें के किसानों को राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत देय अनुदान परियोजना से लाभान्वित किया जाएगा। उप निदेशक उद्यान (अनुसंधान) एटीसी प्रेमराम ने बताया कि राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत फल बगीचा स्थापना करने के इच्छुक किसान 'राजकिसान साथी' पोर्टल पर अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिले को 54 हैक्टेयर क्षेत्रफल में बगीचा स्थापना के लक्ष्य मिले हैं। सामान्य कृषक को इकाई लागत का 40 प्रतिशत प्रोरेटा बेसिस अधिकतम 2 हैक्टेयर तक अनुदान 2 वर्ष में देय है। अनुसूचित क्षेत्रों के अनुसूचित जाति व जनजाति कृषकों को प्रोरेटा बेसिस पर अधिकतम 2 हैक्टेयर क्षेत्र के लिए 50 फीसदी अनुदान देय है।

गृह क्षेत्रों में पदस्थापित अधिकारियों को 15 अगस्त तक हटाने के आदेश, पंचायत चुनावों को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी की गाइडलाइन

जयपुर, जूम न्यूज़

जयपुर। पंचायत चुनावों को देखते हुए राज्य निर्वाचन आयोग ने अपने गृह क्षेत्र में पदस्थापित अधिकारियों को 15 अगस्त तक हटाने के निर्देश दिए हैं।राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजेश वर्मा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य के समस्त जिलों की पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों के आम चुनाव शीघ्र ही सम्पन्न कराये जाने हैं।निर्वाचन से जुड़े विभिन्न अधिकारियों को गृह जिलों में लम्बे समय तक पदस्थापन के संबंध में पूर्व निर्देश जारी किये गये थे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि निर्देशों की कट ऑफ डेट एवं स्थानान्तरण किये

सहजन आधारित कृषि प्रणाली अपनाकर किसान बढ़ाएं आय और पोषण सुरक्षा : डॉ.

नवरत्न पंवार



एजेंसी, जूम न्यूज़

बीकानेर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी), क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन, बीकानेर में नाबाई वित्त पोषित परियोजना के तहत “सहजन आधारित कृषि प्रणाली” विषय पर तीन दिवसीय कृषक कौशल विकास प्रशिक्षण

से सहजन आधारित कृषि प्रणाली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि मोरिंगा एक बहुउपयोगी फसल है, जिसका उपयोग मानव पोषण, पशुपालन, कृषि तथा विभिन्न औद्योगिक कार्यों में किया जाता है। इससे किसानों की आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ टिकाऊ कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा। काजरी के अध्यक्ष डॉ. नवरत्न पंवार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में सहजन केवल एक फसल नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, पोषण सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने इसे भविष्य की टिकाऊ कृषि प्रणाली का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए अधिक से अधिक किसानों से प्रशिक्षण का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी अगस्त माह में भी इस विषय पर दो और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।



जाने की तिथि संशोधित कर आगामी आम चुनावों के संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 243 के एवं 243जेड ए के अनुसार राज्य में पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों की मतदाता सूचियाँ तैयार करने तथा चुनावों के संचालन पर पर्यवेक्षण, नियंत्रण, निर्देशन की शक्तियां राज्य निर्वाचन आयोग में निहित हैं।इन निर्वाचनों

असामाजिक तत्वों के विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही, अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था बनाये रखने का दायित्व पुलिस प्रशासन का है ताकि निर्वाचनों के दौरान मतदाता बिना किसी दबाव के निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। सचिव ने कहा है कि निर्वाचनों के दौरान उपरोक्त वर्णित अधिकारियों की अपने क्षेत्र में भूमिका निष्पक्ष एवं असंदिग्ध होना आवश्यक है। आयोग का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और प्रशासनिक तटस्थता बनाए रखना है, ताकि किसी भी प्रकार के हितों के टकराव या पक्षपात की आशंका को समाप्त किया जा सके।

राजस्थान/ प्रादेशिक

पति ने की पत्नी की हत्या,तीन दिन तक संदूक में छिपाया शव, बेटे को कहा- मम्मी नानी के घर गई है



एजेंसी, जूम न्यूज़

झुंझुनूं। सूरजगढ़ क्षेत्र के अगवना खुर्द गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है। शराब के लिए पैसों के विवाद में एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और साक्ष्य छिपाने के लिए शव को घर में रखे संदूक में बंद कर तीन दिन तक छिपाए रखा। इस दौरान उसने अपने 15 वर्षीय बेटे को यह कहकर गुमराह किया कि उसकी मां नानी के घर गई है। शव से दुर्गंध आने पर आरोपी स्वयं नशे की हालत में गांव के पूर्व सरपंच के पास पहुंचा और पूरी घटना कबूल कर ली। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया तथा मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार अगवना खुर्द निवासी कृष्ण फोगाट पर आरोप है कि शनिवार को शराब पीने के लिए उसने अपनी पत्नी सुलोचना से रुपए मांगे। पत्नी द्वारा पैसे देने से इनकार करने पर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। गुस्से में आरोपी ने पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद शव के हाथ-पैर बांधकर संदूक में बंद कर दिया, ताकि किसी को घटना की भनक नहीं लगे।

न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को दिलाया नशा मुक्त जीवन का संकल्प

एजेंसी, विचार वाणी पत्रिका

लालसोट। तालुका विधिक सेवा समिति, लालसोट के तत्वावधान में मंगलवार को “ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे” अभियान के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में “नशों को कहें ना, अपने सपनों को कहें हैं” विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए स्वस्थ, सुरक्षित और जिम्मेदार जीवन अपनाने का संदेश दिया। अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश गीता पाठक ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालसोट, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-01 ऋतु चंदानी ने एवीपी स्कूल, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-02 मधु शर्मा ने बालिका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट दीक्षिका ब्रह्मभट्ट ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, तालेड़ा जमात में विधिक जागरूकता शिविरों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और समाज में भी नशा मुक्ति का संदेश फैलाने का आह्वान किया।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग की सुरक्षा और सम्मान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता-मुख्यमंत्री भजनलाल



आजादी के बाद पहली बार भवानी गांव पहुंची रोडवेज बस, बारिश में ही ढोल-बाजों के साथ भव्य स्वागत

डीडवाना जिले के परबतसर क्षेत्र के भवानी गांव में आज ऐसा नजारा देखने को मिला, जब यहां एक रोडवेज बस के स्वागत में गांव के लोग उमड़ पड़े।

इस दौरान ग्रामीणों ने उस बस का ढोल के साथ ना केवल स्वागत किया, बल्कि रोडवेज के मुख्य प्रबन्धक (चीफ) रवि शर्मा, रामनिवास तेतरवाल के साथ ही बस के चालक और परिचालक का साफा

व माला पहनाकर स्वागत किया। वहीं ग्राम पीह ओर बागोट में भी ग्रामीणों ने बस का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया। यह मौका था भवानी गांव में आजादी के बाद पहली बार रोडवेज बस के पहुंचने का। जैसे ही रोडवेज बस गांव में पहुंची, उसे देखने के लिए ग्रामीणजन उत्सुक हो उठे। गाजे-बाजे और पुष्प वर्षा कर बस का स्वागत किया।



27 जुलाई को होने वाले महा-अभियान को लेकर जनसंपर्क तेज

एजेंसी, जूम न्यूज़

भीलवाड़ा। देशभर में गौमाता के सम्मान और संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे ‘गौ सम्मान आवाहन अभियान’ के तहत आगामी 27 जुलाई को आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम की तैयारियां जिले में जोरों पर हैं। इसी कड़ी में सोमवार को भीलवाड़ा जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान क्षेत्र वासियों से 27 जुलाई के कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आवाहन किया गया।

अभियान के तहत जिले के बागोर, करेड़ा, जाटों का निम्बाहेडा ,बीटा, रायपुर, गंगापुर, सहित कई प्रमुख कस्बों और गांवों में सघन जनसंपर्क किया गया। इस दौरान जगह-जगह बैठकें आयोजित कर ग्रामीणों को गौ संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

विशेष जनसंपर्क अभियान में जिला प्रचारक संत परम पूज्य गौ वत्स लाल जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने टाउन हॉल का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं के सुदृढीकरण के दिए निर्देश

एजेंसी, जूम न्यूज़

चुरू। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित मातुश्री कमला गौयनका टाउन हॉल का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को टाउन हॉल के समुचित प्रबंधन एवं आवश्यक संसाधनों की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि टाउन हॉल परिसर में शौचालय, भवन, कमरों सहित अन्य आवश्यक संरचनाओं की मरम्मत आदि कार्य करवाएं जाएं। साथ ही साफ-सफाई, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता



तथा रखरखाव की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन एवं कमरों की मरम्मत, शौचालयों की स्थिति एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए

संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर अर्पिता सोनी, चुरू नगर परिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने अधिकारियों से टाउन हॉल में आयोजित होने वाले विभिन्न सरकारी, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि यह परिसर आमजन की गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए यहां उपलब्ध सभी सुविधाएं सुव्यवस्थित, सुरक्षित और उपयोगी स्थिति में रहनी चाहिए।

नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने नए थानाधिकारी सुरेंद्र यादव का किया स्वागत, औद्योगिक क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था पर हुई चर्चा



एजेंसी, जूम न्यूज़

नीमराना (कोटपूतली-बहरोड़)। नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (NIA) द्वारा औद्योगिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक रीको (RIICO) के वरिष्ठ क्षेत्रीय महाप्रबंधक राहुल भट्ट की उपस्थिति में औद्योगिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून

व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। बैठक के दौरान नीमराना के नए थानाधिकारी (SHO) सुरेंद्र यादव का एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण गोपाल कौशिक के नेतृत्व में पदाधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने थानाधिकारी के समक्ष औद्योगिक क्षेत्र

बारिश में बदहाल हुआ बयाना रोडवेज बस स्टैंड, कीचड़ और जलभराव से यात्री परेशान

एजेंसी, जूम न्यूज़

बयाना। लगातार हो रही बारिश के बीच बयाना रोडवेज बस स्टैंड की बदहाल व्यवस्था एक बार फिर उजागर हो गई है। बस स्टैंड परिसर में जगह-जगह जलभराव और कीचड़ होने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बसों तक पहुंचने के लिए लोगों को पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे फिसलकर हादसा होने की आशंका बनी हुई है। यात्रियों का कहना है कि बरसात के मौसम में हर वर्ष बस स्टैंड के हालात ऐसे रहने के लिए पुलिस सदैव सजग रहेगी और सभी को एक सुरक्षित व निर्भीक वातावरण प्रदान करेगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में रीको के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक एस.आई. हसन, एसोसिएशन के महासचिव डॉ. विनोद जैन, सह-महासचिव अमित यादव तथा एचआर फोरम के महासचिव लोकेश खंडेलवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

RSLSA के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत सरदारशहर के कई स्कूलों में विधिक जागरूकता शिविर



एजेंसी, जूम न्यूज़

सरदारशहर (चुरू)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RSLSA) के तत्वावधान में बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा एवं विधिक संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सरदारशहर तालुका क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में सोमवार को विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। “नशामुक्ति जागरूकता— Say No to Drugs, Say Yes to Your Dreams” थीम पर आयोजित इन शिविरों में न्यायिक अधिकारियों, पैनल अधिवक्ताओं एवं पैरा

लीगल वॉलेंटियर्स ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणाम, बच्चों के कानूनी अधिकार तथा एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिविरों में वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में जिलाशा, गलत संगत, तनाव और सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण कई बच्चे नशे की गिरफ्त में आ जाते हैं। ऐसे में समय रहते जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है।

विद्यार्थियों को समझाया गया कि नशा किसी भी रूप में भविष्य को बर्बाद कर सकता है और जीवनभर के लिए शारीरिक एवं

मानसिक नुकसान पहुंचाता है। आधा दर्जन से अधिक स्कूलों में एक साथ हुए शिविर कैम्पेज कॉन्वेंट स्कूल, सरदारशहर में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौड़ ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को कानून, अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी। उनके साथ पैनल अधिवक्ता संदीप भोजक, अंतिमा जाड़ीवाल, पंकज एवं एहसान ने भी विभिन्न विधिक विषयों पर जानकारी साझा की। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, हरियासर घरसोतान में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रीतिका चौहान ने विद्यार्थियों को नशामुक्ति के साथ डिजिटल सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में बताया। इस दौरान अपर लोक अभियोजक पवन सैनी, अधिवक्ता रितेश चौहान, सर्वेश टाक एवं प्रेमलता भी मौजूद रहे। शिविरों में वक्ताओं ने कहा कि तंबाकू, शराब, गांजा, अफीम, स्मैक और नशीली दवाओं का सेवन याददाश्त, एकाग्रता और स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालता है।

घर में सो रही 18 साल की युवती बिस्तर से मिली गायब, मोबाइल में अनजान नंबर से आया था मैसेज

एजेंसी, जूम न्यूज़

सीकर। जिले में एक 18 वर्षीय युवती के सीकर। जिले में एक 18 वर्षीय युवती के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों का कहना है कि युवती रात को घर में सोई थी, लेकिन सुबह उसका बिस्तर खाली मिला। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लगने पर परिवार ने उसका मोबाइल फोन देखा, जिसमें एक अज्ञात नंबर से आए संदेश ने उनके संदेह को और गहरा कर दिया। इसके बाद परिजनों ने एक युवक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। परिवार की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, 19 जुलाई की रात घर के सभी सदस्य रोज की

तह सो गए थे। युवती भी अपने कमरे में थी। अगले दिन सुबह जब परिवार के लोग उठे तो वह घर में कहीं दिखाई नहीं दी। पहले घर और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की गई, लेकिन जब कोई जानकारी नहीं मिली तो परिजन चिंतित हो गए। तलाशी के दौरान युवती का मोबाइल फोन घर में ही पड़ा मिला। परिजनों ने जब फोन की जांच की तो उसमें एक अज्ञात नंबर से आए मैसेज दिखाई दिए। शिकायत में आरोप लगाया गया कि युवक ने युवती को रात में घर से बाहर आने के लिए संदेश भेजा था। परिजनों का दावा है कि मैसेज मिलने के बाद युवती रात करीब दो से ढाई बजे के बीच घर से बाहर निकली और फिर वापस नहीं लौटी। निरीक्षण

के दौरान जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने अधिकारियों से टाउन हॉल में आयोजित होने वाले विभिन्न सरकारी, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि यह परिसर आमजन की गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए यहां उपलब्ध सभी सुविधाएं सुव्यवस्थित, सुरक्षित और उपयोगी स्थिति में रहनी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों को नियमित निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए कहा कि साफ-सफाई में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।



है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने राजस्थान हाई कोर्ट के वर्ष 2019 के उस फैसले को निरस्त कर दिया, जिसमें डॉ. हमीद की फांसी की सजा बरकरार रखी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब राजस्थान हाई

मामलों का पर्याप्त न्यायिक अनुभव हो। इसी मामले में उभ्रकैद की सजा काट रहे सह-आरोपी पप्पू उर्फ सलीम को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। साथ ही राजस्थान सरकार की ओर से उसकी स्थायी पैरोल को चुनौती देने वाली याचिका भी खारिज कर दी गई। अदालत ने जावेद खान और अब्दुल गनी सहित अन्य आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ राज्य सरकार की अपीलों को भी स्वीकार नहीं किया। यह विस्फोट दिल्ली के लाजपत नगर बम धमाके के ठीक एक दिन बाद हुआ था, जिससे उस समय पूरे देश में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर थीं।

मनोरंजन समाचार

गेम ऑन, स्टाइल ऑन! लॉर्ड्स में भारत-इंग्लैंड मैच के दौरान जाह्वी कपूर का पावरफुल फैशन स्टेटमेंट



जाह्वी कपूर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह हर मौके पर अपने फैशन सेंस से लोगों का दिल जीतना बखूबी जानती हैं। अभिनेत्री हाल ही में लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच का आनंद लेने पहुंचीं, जहां उनका स्टाइलिश अंदाज देखते ही बन रहा था। इस खास मौके पर जाह्वी ने राल्फ लॉरेन का टेलर्ड ब्लेजर और मैचिंग ट्राउजर पहनकर क्लासिक एलिगेंस और मॉडर्न पावर ड्रेसिंग का शानदार मेल पेश किया। उन्होंने अपने लुक को मिनिमल एक्सेसरीज, सॉफ्ट ग्लैम मेकअप और सिग्नेचर स्लीक हेयरस्टाइल के साथ पूरा किया, जिससे उनके आउटफिट का शार्प सिलहूट और भी उभरकर सामने आया।

जहां क्रिकेट प्रेमियों की नजरें मैदान पर चल रहे रोमांचक मुकाबले पर टिकी थीं, वहीं स्टैंड्स में मौजूद जाह्वी कपूर ने अपने बेहतरीन फैशन चॉइस से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उनका यह शानदार लुक लॉर्ड्स के शाही और ऐतिहासिक माहौल के साथ पूरी तरह मेल खा रहा था, जिसे 'होम ऑफ क्रिकेट' भी कहा जाता है। रेड कार्पेट हो या फिर क्रिकेट स्टेडियम, जाह्वी कपूर हर बार अपने स्टाइल से एक नया फैशन गोल सेट करती हैं। भारत-इंग्लैंड मैच के दौरान उनका यह एलिगेंट और पावरफुल लुक एक बार फिर साबित करता है कि किसी भी मौके पर फैशन के खेल में जीतना उन्हें बखूबी आता है।

महिलाओं का सम्मान उनके कपड़ों से नहीं, उनकी पहचान से होना चाहिए : निधि शेट्टी



टीवी शो 'अनुपमा' में प्रेरणा के किरदार में अपनी अलग पहचान बना रही अभिनेत्री निधि शेट्टी इन दिनों शो के मौजूदा ट्रैक को लेकर चर्चा में हैं। निधि का मानना है कि 'अनुपमा' सिर्फ मनोरंजन नहीं करता, बल्कि समाज में मौजूद कई ऐसी सोच पर भी सवाल उठाता है, जिनका सामना आज भी महिलाएं अपने रोजमर्रा के जीवन में करती हैं। निधि शेट्टी ने कहा, “अनुपमा दर्शकों के दिलों तक इसलिए पहुंचता है क्योंकि इसकी कहानी काल्पनिक कम और वास्तविक जीवन के ज्यादा करीब होती है। शो में दिखाई जाने वाली परिस्थितियां वही हैं, जिनका सामना आज भी देश के कई परिवारों में महिलाएं करती हैं। प्रेरणा के किरदार के जरिए ऐसे मुद्दों को सामने लाया जा रहा है, जिन पर समाज में खुलकर बात होना जरूरी है।” उन्होंने आगे कहा, “अगर इस शो को देखने के बाद कुछ लोग भी अपनी सोच बदलने की कोशिश करें या महिलाओं को लेकर बने पुराने नजरिए पर दोबारा विचार करें, तो यह हमारे लिए सबसे बड़ी सफलता होगी।

एक कलाकार के तौर पर ऐसी कहानी का हिस्सा बनना हमेशा खुशी देता है, जो सिर्फ मनोरंजन न करे, बल्कि समाज को सोचने पर भी मजबूर करे।” शो के हालिया एपिसोड में प्रेरणा एक सीन में परिवार के सामने अपनी बात मजबूती से रखती है। इस बारे में बात करते हुए निधि ने कहा, “मैंने इस सीन में गुस्से से ज्यादा प्रेरणा की भावनाओं पर ध्यान दिया। वह अपने कपड़ों के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि इसलिए आवाज उठा रही है, क्योंकि वह बार-बार अपनी निजी पसंद को लेकर जज किए जाने से थक चुकी है। उसे सबसे ज्यादा इस दोहरे मापदंड ने तकलीफ पहुंचाई कि जो बातें एक बेटी के लिए सामान्य मानी जाती हैं, वही बहू के लिए सवाल बन जाती हैं।” निधि ने बताया कि यह स्थिति केवल टीवी की कहानी नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन का भी हिस्सा है। उन्होंने कहा, “आज भी कई महिलाएं ऐसे दोहरे मापदंड का सामना करती हैं। किसी महिला का सम्मान इस बात से तय नहीं होना चाहिए कि वह क्या पहनती है या परिवार में उसकी क्या भूमिका है।

क्या जंतर-मंतर पहुंचे नसीरुद्दीन शाह? वायरल वीडियो में निकला बड़ा झोल, दूर-दूर तक CJP प्रोटेस्ट से नहीं कोई नाता



सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें यह दावा किया जा रहा है कि दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में पहुंचे हैं। दावा किया गया कि वे अपने बेटों, इमाद शाह और विवान शाह के साथ इस आंदोलन में चुपचाप शामिल हुए थे। हालांकि जब इस पूरे मामले की पड़ताल की गई तो यह दावा पूरी तरह से झूठा और भ्रामक साबित हुआ। दरअसल नसीरुद्दीन शाह दिल्ली आए ही नहीं, ऐसे में सीजेपी प्रोटेस्ट में शामिल होना और जंतर-मंतर जाना सरासर झूठ है। वायरल हो रही वीडियो क्लिप में नसीरुद्दीन शाह अपने बेटे के साथ एक जगह खड़े नजर आ रहे हैं और लोग उनके पास से गुजर रहे हैं।

राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुई यामी गौतम, कहा- ‘सफर ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा’

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, “बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।”

अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024

दर्जें को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने



में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष

स्वामीनाथन' की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे।

‘जूनी हक्सर’ नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव ‘राजेश्वरी

इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के

सफल रही थी। फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 'सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म' का पुरस्कार जीता

और यामी गौतम को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का पुरस्कार मिला। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने के बाद यामी गौतम को फिल्म जगत, उनके प्रशंसकों और कई कलाकारों की ओर से लगातार बधाइयां मिल रही हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके अभिनय की व्यापक सराहना की जा रही है। प्रशंसकों का कहना है कि यामी ने अपने करियर में अलग-अलग विषयों पर आधारित फिल्मों का चयन कर अपनी अभिनय क्षमता को लगातार साबित किया है। यामी गौतम ने अपने फिल्मी सफर में रोमांटिक, सामाजिक, थ्रिलर और महिला प्रधान फिल्मों में विविध भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने कई अवसरों पर कहा है कि वह ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना पसंद करती हैं, जिनमें मजबूत कथानक और चुनौतीपूर्ण किरदार हों। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने विषय प्रधान फिल्मों की ओर अधिक ध्यान दिया है।

‘हार आपको ताकती हैं’, अमिताभ बच्चन के ब्लॉग ने बढ़ाई फैस की चिंता, अस्पताल, ICU और सर्जरी का बयां किया दर्द



बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अक्सर अपने पर्सनल ब्लॉग के जरिए अपने विचार, भावनाएं और जिंदगी के अनुभव फैस के साथ साझा करते रहते हैं। हाल ही में उनके एक नए ब्लॉग पोस्ट ने फैस के बीच काफी चिंता पैदा कर दी है। इस पोस्ट में बिग बी ने अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी कराने, आईसीयू में समय बिताने और डिस्चार्ज होने के बाद घर लौटने की चुनौतियों पर खुलकर लिखा है, जिसे पढ़कर उनके प्रशंसक काफी चिंतित हो गए हैं। एक्टर के पोस्ट के बाद फैस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना

करने लगे और ये जानने के लिए उत्सुक हो गए कि आखिर उन्हें हुआ क्या था। सोमवार को अपने ब्लॉग पर लिखते हुए अमिताभ बच्चन ने लिखा कि कुशल डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की देखरेख में अस्पताल, सर्जरी और आईसीयू का सफर रहा, जिसके बाद डिस्चार्ज और फिर घर वापसी हुई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आने वाली मुश्किलों के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे लिखा कि अस्पताल से घर लौटने के बाद का समय सबसे कठिन दौर होता है। शारीरिक, मानसिक और व्यावहारिक हर तरह

से यह फेज चुनौती भरा होता है। आप खुद को एक चैंपियन मानते हैं, लेकिन अचानक एक दिन हार आपके सामने आ खड़ी होती है। जिंदगी का यह मोड़ इंसान के लिए सबसे मुश्किल साबित होता है। अपनी बात को एक सकारात्मक और दार्शनिक सोच के साथ खत्म करते हुए बिग बी ने लिखा कि कुछ लोग इस परिस्थिति का बहादुरी से सामना करते हैं, तो कुछ हार मान लेते हैं। जो लोग संघर्ष करते हैं और हिम्मत बनाए रखते हैं, वे हमेशा विजेता बने रहते हैं। वहीं जो ऐसा नहीं कर पाते, वे पुरानी यादों

के सहारे ही अपनी जिंदगी गुजारते हैं। यह पूरी तरह से हर व्यक्ति का अपना फैसला होता है और इसमें कुछ भी सही या गलत नहीं है। बस सेहतमंद रहें और खुश रहें। जैसे ही बिग बी का यह पोस्ट सामने आया, उनके चाहने वालों ने कमेंट सेक्शन में अपनी चिंता जतानी शुरू कर दी। एक फैन ने लिखा कि अमित जी, उम्मीद है कि आप अपनी सेहत के बारे में बात नहीं कर रहे हैं और आप अस्पताल या आईसीयू में नहीं थे। आप जिसके बारे में भी बात कर रहे हैं, उनके जल्द ठीक होने की दुआ करते हैं। वहीं एक अन्य

यूजर ने पूछा कि अमिताभ जी, आप किसके बारे में बात कर रहे हैं? हमें चिंता हो रही है, कृपया अपना ख्याल रखें। एक और प्रशंसक ने लिखा कि उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा। आप हमेशा हर बीमारी से जीतकर एक चैंपियन की तरह उभरे हैं और काम करते रहे हैं। डॉक्टरों की सलाह लें, आप कभी नहीं हारेंगे। खास बात यह है कि इस ब्लॉग पोस्ट से ठीक एक दिन पहले अमिताभ बच्चन ने संडे को अपने जलसा बंगले के बाहर फैस से मिलने की पुरानी परंपरा निभाई थी और उसकी तस्वीरें भी शेयर

की थीं। काम के मोर्चे पर बात करें तो अमिताभ बच्चन जल्द ही नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के दूसरे भाग में नजर आएंगे। इस फिल्म में वे एक बार फिर अश्वत्थामा के दमदार किरदार में दिखेंगे। प्रभास और कमल हासन स्टारर इस फ्रैंचाइजी के पहले भाग ने दुनिया भर में 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। खबरों के मुताबिक मेकर्स ने साफ किया है कि दीपिका पादुकोण इसके दूसरे पार्ट का हिस्सा नहीं होंगी। हालांकि इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि उन्होंने फिल्म क्यों छोड़ी है।

उर्वशी रौतेला की टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात, विंबलडन में जमी बॉलीवुड-हॉलीवुड की जुगलबंदी



अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने हाल ही में 'विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल' में हॉलीवुड स्टार टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात की। अभिनेत्री ने इस मुलाकात का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने और हॉलीवुड स्टार ने सिनेमा के बारे में काफी दिलचस्प बातें कीं। अभिनेत्री ने बताया, “विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल' में जाना मेरे लिए एक यादगार अनुभवों में से एक था। इटैलियन टेनिस प्लेयर जै निक सिनर और

जर्मन टेनिस प्लेयर अलेक्जेंडर जेवेक्व को सबसे ऊंचे लेवल पर मुकाबला करते देkhना सच में प्रेरणा देने वाला था।” अभिनेत्री ने दोनों खिलाड़ियों के बारे में बात करते हुए बताया, “उनके जुनून, अनुशासन और खेल भावना ने सभी को याद दिलाया कि विंबलडन टेनिस का शिखर क्यों बना हुआ है। जै निक को शानदार जीत और अलेक्जेंडर को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई।” अभिनेत्री ने बातचीत में जोड़ा कि

टॉम हिडलेस्टन से मिलकर यह दिन और भी यादगार बन गया। उन्होंने कहा, “हमने पारंपरिक विंबलडन स्ट्रॉबेरी और क्रोम का मजा लेते हुए सिनेमा के बारे में बहुत अच्छी बातचीत की। मैंने हमेशा उनके 'लोकी' का उनका किरदार और उन्हें कैरेक्टर के विकास, उनके क्तिप्टिव प्रोसेस और हर रोल के प्रति उनके डेडिकेशन के बारे में बोलते हुए सुना बहुत दिलचस्प था।”

MS Dhoni की लाडली जीवा संग मस्ती में लगीं कृति सेनन, भारत-इंग्लैंड मैच के दौरान क्यूट बॉन्डिंग ने लूटी लाइमलाइट



मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि मान्यता खुद भी फिल्मों में अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं। उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष किया था। हालांकि, उन्हें वह बड़ी सफलता नहीं मिल पाई, जिसकी उन्होंने उम्मीद की थी। मान्यता

दत्त का जन्म 22 जुलाई 1978 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनका असली नाम दिलनवाज शेख है। उनका बचपन कुछ समय दुबई में बीता। बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और फिल्मी दुनिया की तरफ था। यही सपना उन्हें मुंबई लेकर आया, जहां उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाने की कोशिश शुरू की। फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद मान्यता ने अपना नाम बदलकर सारा खान रख लिया था। शुरुआती दौर में उन्होंने कुछ फिल्मों में छोटे-मोटे रोल किए। उस समय वह बड़ी फिल्मों में जगह बनाने के लिए लगातार कोशिश कर रही थीं। उन्हें फिल्मों में काम तो मिला, लेकिन वह पहचान नहीं मिल पाई जो एक अभिनेत्री के तौर पर वह चाहती थीं। मान्यता को सबसे ज्यादा पहचान साल 2003 में आई प्रकाश झा की फिल्म 'गंगाजल' से मिली।

इस फिल्म में उन्होंने 'अलहड मस्त जवानी' गाने पर परफॉर्म किया था, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसी फिल्म के दौरान उन्हें स्क्रीन नाम 'मान्यता' मिला। हालांकि, इसके बाद भी उनका फिल्मी सफर ज्यादा आगे नहीं बढ़ सका और उन्हें बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने के मौके कम मिले। इसके बाद मान्यता ने छोटे बजट की फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने 'लवर्स लाइक अस' नाम की फिल्म में भी अभिनय किया था। यही फिल्म उनकी जिंदगी में एक बड़ा मोड़ लेकर आई, क्योंकि इसी फिल्म के राइट्स खरीदने के सिलसिले में उनकी मुलाकात अभिनेता संजय दत्त से हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए। संजय दत्त और मान्यता दत्त ने 7 फरवरी 2008 को शादी कर ली।

सार समाचार

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को चौथे बच्चे के जन्म पर मिल रहीं बधाइयां, बाकी 3 बच्चों के बारे में भी जानिए



वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी, उषा ने रविवार को अपने चौथे बच्चे का स्वागत किया था और उपराष्ट्रपति ने खुद अपने X हैंडल पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी थी। अब उन्हें दुनियाभर से बधाइयां मिल रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोमवार (स्थानीय समय) को जेडी वेंस और उनके परिवार को उनके चौथे बच्चे के जन्म पर बधाई दी और अपने टुथ सोशल हैंडल पर पोस्ट कर बयान दिया। ट्रंप ने जेडी वेंस के बच्चे को परफेक्ट बेबी बाॅय बताया। ट्रंप ने कहा, “शानदार वेंस परिवार को परफेक्ट बेबी बाॅय के लिए बधाई हो।” अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा की शादी 2014 में हुई थी। इस कपल के कुल 4 बच्चे हैं। उनके 2 बड़े बेटे हैं जिनका नाम इवान (उम्र 9 साल) और विवेक (6 साल) है। उनकी एक बेटी मिराबेल (उम्र 4 साल) है। हालांकि वेंस परिवार, बच्चों को पब्लिसिटी से दूर रखता है, लेकिन वे कभी-कभी सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखते हैं। जेडी वेंस 2025 में जब भारत दौरे पर आए थे, तब वह अपनी पत्नी उषा और तीनों बच्चों को भी साथ लाए थे। इस दौरान उन्होंने आगरा के ताजमहल के सामने पत्नी और तीनों बच्चों के साथ तस्वीरें खिंचवाई थीं। वेंस जब पीएम मोदी से मिले थे, तब भी उनके साथ तीनों बच्चे और उषा मौजूद थीं। पीएम मोदी ने भी वेंस के बच्चों को दुलार किया था। जेडी वेंस जब अपने परिवार के साथ भारत आए थे तो जयपुर स्थित आमेर का किला देखने के लिए भी गए थे। इस दौरान जब हाथियों ने सूंड उठाई थी तो जेडी वेंस के बच्चे अवाक रह गए थे। जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा ने अपने चौथे बच्चे के जन्म के बाद उसका नाम भी रख लिया है। बच्चे का नाम एलेक नील वेंस रखा गया है।

अमेरिकी सांसद की मांग, ‘रद्द हो चीनी छात्रों का एफ-1 और जे-1 वीजा’



वाशिंगटन। अमेरिका की रिपब्लिकन सांसद एना पॉलिना लूना ने चीनी छात्रों के वीजा को तत्काल निलंबित या रद्द करने की मांग उठाई है। उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रूबियो को पत्र लिखकर देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे चीनी नागरिकों के सभी एफ-1 और जे-1 छात्र वीजा तत्काल निलंबित और रद्द करने की मांग की है। उन्होंने हाल ही में सार्वजनिक किए गए खुफिया दस्तावेजों का हवाला देते हुए दावा किया कि इनमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) द्वारा अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप के प्रयासों का उल्लेख है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर अमेरिका के चुनावों को प्रभावित करने के लिए व्यापक अभियान चलाने का आरोप लगाया था।

न्यूयॉर्क पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिए जाएंगे नेतन्याहू? ममदानी के बयान पर ट्रंप ने किया पलटवार



वाॅशिंगटन/न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को साफ कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अमेरिकी धरती पर किसी भी हाल में गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। ट्रंप का यह बयान न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरामन ममदानी के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि नेतन्याहू न्यूयॉर्क आते हैं तो उनकी गिरफ्तारी के कानूनी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। ममदानी ने ‘द न्यूयॉर्क टाइम्स’ से बातचीत में नेतन्याहू को ‘युद्ध अपराधी’ बताया और कहा कि ‘उनकी जगह हेम में है।’ ममदानी ने कहा कि उनका प्रशासन न्यूयॉर्क सिटी के लॉ डिपार्टमेंट के साथ लगातार बातचीत कर रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यदि नेतन्याहू शहर में आते हैं तो स्थानीय प्रशासन के पास कानूनी रूप से क्या अधिकार हैं। उन्होंने कहा, ‘न्यूयॉर्क शहर में कानून मुझे जितनी अनुमति देगा, हम उसनी ही कार्रवाई करेंगे।’

ममदानी ने यह भी साफ किया कि उनका दफ्तर नेतन्याहू की गिरफ्तारी के लिए कोई नया स्थानीय कानून बनाने की कोशिश नहीं कर रहा है। ममदानी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा कि बेंजामिन नेतन्याहू को अमेरिका में किसी भी तरह, किसी भी रूप में गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, ‘नेतन्याहू ईरान के इस्लामी गणराज्य के खिलाफ लड़ रहे हैं। हाल ही में ईरान ने 52,000 बेगुनाह प्रदर्शनकारियों की हत्या की है और पिछले सालों से अमेरिकी सैनिकों तथा अन्य लोगों की जान लेता रहा है। गिरफ्तार किया जाना चाहिए तो उन लोगों को, जिन्होंने ईरान को मौत और तबाही के इस अभूतपूर्व दौर में धकेला।’

ईरान के साथ जंग में पिछले दो हफ्तों में 100 अमेरिकी सैनिक घायल, होर्मुज में जहाजों पर हमले तेज

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच अभी सीधा सैन्य टकराव बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। अगर अब भी संयम नहीं बरता गया तो हालात और बिगड़ सकते हैं। पिछले दो हफ्तों में इस सैन्य टकराव में करीब 100 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं। वहीं हर सैनिक के घायल होने पर ट्रंप का गुस्सा भी बढ़ता जा रहा है वो लगातार ईरान को सबक सिखाने की धमकी दे रहे हैं। वहीं पेंटागन (अमेरिकी रक्षा मंत्रालय) ने आधिकारिक पुष्टि की है कि पिछले दो हफ्तों (7 जुलाई के बाद) में ईरान के साथ जारी भीषण हमलों और जवाबी कार्रवाई में लगभग 100 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं। इनमें से अधिकांश



जवानों को हमलों के दौरान सिर में चोट आई है। ईरान और अमेरिका का संघर्ष जैसे-जैसे बढ़ रहा है मध्य पूर्व के कई अन्य देश भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। अमेरिकी सेना ने सोमवार देर रात से मंगलवार तड़के तक ईरान पर 10वें दौर की एयरस्ट्राइक पूरी की। पेंटागन के मुताबिक इन हमलों में ईरान के सैन्य कमांड

सेंटरों और नौसैनिक क्षमताओं को निशाना बनाया गया है। उधर, ईरानी स्टेट मीडिया ने देश के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित बंदर अब्बास, केश्म और होर्मोज़गान प्रांत के बेमानी जिले में कई जोरदार धमाकों की पुष्टि की है। ईरान के राष्ट्रपति ने माना है कि देश इस वक्त एक फुल स्केल वॉरमें उलझा हुआ है, जिसका असर

ट्रंप से मुलाकात करेंगे लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन, इजरायल से तनाव के बीच होगी बातचीत

लेबनान के राष्ट्रपति मंगलवार को वाॅशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलेंगे। यह उनकी चार दिन की यात्रा का आखिरी हिस्सा होगा। इस यात्रा का मकसद इजरायल और ईरान समर्थित हिस्जुल्लाह मिलिटेंट ग्रुप के बीच महीनों तक चली लड़ाई के बाद, युद्ध से जुड़ रहे लेबनान में लंबे समय तक शांति बनाए रखना है। जोसेफ आउन की ट्रंप के साथ यह अहम बैठक ऐसे समय में हो रही है जब लेबनान और इजरायल के बीच वाॅशिंगटन की मध्यस्थता में सीधी बातचीत चल रही है। लेबनान को उम्मीद



है कि इस बातचीत के नतीजे में इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान के उन बड़े इलाकों से हट जाएगी जिन पर अभी उसका कब्जा है। साथ ही, लेबनानी सेना को उन इलाकों में पूरा कंट्रोल हासिल करने में मदद मिलेगी जहां पहले हिस्जुल्लाह मिलिटेंट्स का दबदबा

था। लेबनान और इजरायल ने 26 जून को एक “फ्रेमवर्क एग्रीमेंट” (रूपरेखा समझौता) की घोषणा की थी। इसमें इजरायली सेना के दक्षिणी लेबनान से हटने और हिस्जुल्लाह के हथियार छोड़ने की योजना बनाई गई है, जिसका दशकों से

अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ में 20 की मौत, 100 से ज्यादा लोग लापता; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी



अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 100 से ज्यादा लोग लापता हैं। अफगानिस्तान नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया कि बाढ़ पूर्वी प्रांत नूरिस्तान में आई और लापता लोगों का पता लगाने के लिए खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, “हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे बाढ़ की आशंका वाले और जोखिम भरे इलाकों से दूर रहें।” हम्माद ने कहा, “दुर्भाग्य से, आज पारुन शहर और नूरिस्तान प्रांत के कई अन्य इलाकों में आई भीषण बाढ़ के कारण हमारे साथी नागरिकों की जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।” उन्होंने

आगे कहा कि बाढ़ से लोगों के घरों, कृषि भूमि और सार्वजनिक सुविधाओं को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। अफगानिस्तान में मौसम की चरम घटनाओं का खतरा बहुत ज्यादा रहता है। बर्फबारी और भारी बारिश से अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) का खतरा लगातार बना रहता है। अक्सर ऐसे मामलों में एक ही बार में दर्जनों या सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। साल 2024 में, वसंत ऋतु में आई अचानक बाढ़ में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। वहीं इस साल की शुरुआत में भी देश के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम 110 लोगों की मौत हो गई थी। कई दशकों से चल रहे संघर्ष, खराब

ओमान के तट के पास स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाज में लगी आग, 9वीं रात भी ईरान पर भीषण हमले

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ओमान के तट के पास सोमवार तड़के एक वाणिज्यिक जहाज में भीषण आग लग गई। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) केंद्र ने इस घटना की पुष्टि करते हुए चेतावनी जारी की है। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है और दोनों देश पूर्ण युद्ध के मुहाने पर खड़े नजर आ रहे हैं। पिछले महीने हुआ अंतरिम

सैंट्रल कमांड ने बयान में कहा, “यह हमले ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को नष्ट करने के लिए जारी रहेंगे, जिनका इस्तेमाल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले नागरिक और वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों के लिए किया जाता है।” ईरान की परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने दावा किया है कि अमेरिकी हमलों ने देश के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में स्थित एक निर्माणार्थीन परमाणु ऊर्जा संयंत्र, ‘दारखोविन’ परमाणु साइट को निशाना बनाया है। उपग्रह से मिली तस्वीरों के अनुसार, इस साइट पर अभी शुरुआती काम ही चल रहा था।

अंतरराष्ट्रीय

‘जल प्रलय’ से पाकिस्तान में हाहाकार, 12 लोगों की मौत, 18 घायल; पानी में ढह गए कई मकान



पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और बाढ़ से 12 लोगों की मौत का मामला सामने आया है। अलग-अलग घटनाओं में 18 लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। फिलहाल मौसम विभाग की तरफ से और अधिक बारिश होने का अनुमान बताया गया है। इसके अलावा मौसम विभाग ने स्थानीय लोगों को सावधानी बरतने और घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी है। बता दें कि अलग-अलग घटनाओं में 14 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा में अचानक भारी बारिश और बाढ़ की वजह से हालात बेकाबू हो गए। इस दौरान अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 18 लोग घायल हो गए। मरने वालों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। प्रांतिय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (PDMA) की रिपोर्ट के अनुसार, ये मौतें घरों की छतों और दीवारें गिरने तथा लोगों के अचानक आई बाढ़ में बह जाने के कारण हुई। मरने वालों में 6 पुरुष, 5 बच्चे और 1 महिला शामिल हैं। वहीं घायलों में 8 पुरुष, 2 महिलाएं और 8 बच्चे शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक ये घटनाएं पेशावर, खैबर, मरदान, बुनेर, बाजौर, लोअर चित्राल, एबटाबाद, मानसेहरा, तोरघर और कुर्म जिलों से सामने आई। PDMA के अनुसार, भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण कुल 14 घर क्षतिग्रस्त हुए। इनमें से एक घर पूरी तरह नष्ट हो गया, जबकि बाकी को आंशिक नुकसान पहुंचा। PDMA, रेस्क्यू 1122, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित विभाग राहत और बचाव कार्यों में जुटे हुए थे। PDMA के महानिदेशक ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रांत की सभी प्रमुख नदियों, नालों और जलमार्गों में जल स्तर और बहाव सामान्य सीमा के भीतर रहा। हालांकि, पाकिस्तान मौसम विभाग ने 25 जुलाई तक पूरे प्रांत में रुक-रुक कर भारी बारिश का अनुमान बताया है। PDMA ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, जोखिम वाली पर्यटन जगहों से दूर रहने और नदियों, नालों व बाढ़ वाले रास्तों पर जाने से बचने की अपील की। नागरिकों को मौसम संबंधी आधिकारिक अलर्ट और सुरक्षा सलाह का पालन करने की भी सलाह दी गई। प्राधिकरण ने कहा कि सभी जिला प्रशासनों को पहले ही हाई अलर्ट पर रखा गया है। प्रशासन ने बताया कि प्रभावित जिलों में राहत एवं बचाव कार्यों को तेज कर दिया गया है। बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में पहुंचकर फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, घायलों को अस्पतालों तक पहुंचाने और क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का आकलन करने में जुटे हैं।

अमेरिका ने ईरान पर फिर किए भीषण हमले, ईरान बोला- ‘अगर खार्ग में घुसना चाहते हैं तो हम खातिरदारी के लिए बताब’



अमेरिका और ईरान के बीच जंग लगातार तेज होती जा रही है। आज जंग का 10वां दिन है और दोनों ओर से लगातार अटैक किए जा रहे हैं। US सेंट्रल कमांड का कहना है कि सेना ने ईरान के नए सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। हमलों का मकसद ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को और कमजोर करना है जिनका इस्तेमाल वो स्ट्रेट होर्मुज में कमर्शियल जहाजों पर हमले के लिए करता है। वहीं, बीती रात जॉर्डन की राजधानी अम्मान तेज सायरन की आवाज से गुंज उठी क्योंकि ईरान ने एक

बार फिर मिसाइल अटैक लॉन्च किया। जॉर्डन ने बताया कि ईरान ने एक और मिसाइल हमला किया है। दूसरी ओर अमेरिका ने ईरान पर जबरदस्त बमबारी की है। अमेरिकी सेना के निशाने पर ईरान के तबरीज सिटी का इलाका रहा जहां IRGC का मिसाइल बेस और मिसाइल फील्ड है। अमेरिकी विमानों ने इसी मिसाइल फील्ड पर भीषण बमबारी की है। अमेरिका का दावा है कि हमलों में होर्मुज के पास सिरीक और जास्क आईलैंड में ईरान के वॉच टावर्स को ध्वस्त कर दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि

ईरान के हमलों में अमेरिका के तीन सैनिक शहीद हुए हैं। अब अमेरिका ईरान को छोड़ेगा नहीं। आज रात ईरान पर और घातक हमले किए और ये हमने ईरान के हमले में मारे गए हमारे तीन सैनिकों के सम्मान के लिए किया। ट्रंप, ईरान को छोड़ने को मूड में नहीं है तो ईरान भी दावा कर रहा है कि उसे हल्के में लेने की भूल अमेरिका ना करे। ईरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि अमेरिका खार्ग में घुसने का सपना देख रहा है और हमारे लोग उनकी खातिरदारी के लिए बताब हैं।

जेडी और उषा वेंस के घर बेटे का जन्म, अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने बना दिया अनोखा रिकॉर्ड

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस के घर बेटे का जन्म हुआ है। दंपति ने चौथी बार बच्चे को जन्म दिया है। बेटे के दुनिया में आने के साथ ही जेडी वेंस ने एक और अनोखा रिकॉर्ड बना दिया है। दरअसल, 150 साल से ज्यादा समय में पहली बार ऐसा हुआ है कि पद पर रहते हुए किसी अमेरिकी उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। आइए जानते हैं कि इस मौके पर दंपति ने क्या जानकारी दी है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोशल मीडिया पर

पत्नी उषा वेंस के साथ संयुक्त बयान जारी किया है और अपने बेटे के जन्म के बारे में लोगों से जानकारी शेयर की है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि ‘‘हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमारे घर एक बेटे का जन्म हुआ है, जिसका नाम एलेक नील वेंस रखा गया है। उषा और नवजात दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं और हमारे तीनों बच्चे अपने छोटे भाई के स्वागत को लेकर बेहद उत्साहित हैं।’’ जेडी वेंस ने आगे कहा- ‘‘वॉल्टर रीड मेडिकल सेंटर और व्हाइट हाउस मेडिकल

यूनिट के बेहतरीन मिलिट्री डॉक्टर और स्टाफ सदस्य हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं रहे हैं। उन्होंने हमारे परिवार के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम उनके बहुत आभारी हैं।’’ जानकारी के अनुसार, व्हाइट हाउस की मेडिकल टीम का भी उनकी देखभाल और सहयोग कर रही थी जिसके लिए दंपति ने आभार जताया है। आपको बता दें कि जेडी वेंस की पत्नी उषा (उम्र 40 वर्ष) भारतीय मूल की हैं। उनका परिवार आंध्र प्रदेश से ताल्लुक रखता है।

SPORTS NEWS

Special Olympics Bharat wins bronze in Gothia Cup, coach calls for more practice matches for improvement

The Special Olympics Bharat football team was felicitated in New Delhi on Monday, July 20, following their bronze medal victory at the Gothia Cup 2026 in Sweden. Notably, India secured a third-place finish in the tournament after defeating Finland 2–1 in the bronze medal playoff, capping off a challenging campaign marked by rapid adaptations to unfamiliar playing conditions and tough international competition.

The tournament began with two division matches to determine group placements. India opened with a 1-1 draw against France before suffering a 2-0 defeat to Germany. The results placed the squad into Group 2 for the main competition stage. In the group stage, India endured a tough start, falling 6-0 to Turkmenistan in their opening fixture. However, the team responded quickly with a 2-0 victory over Estonia before concluding the group stage with a 3-1 loss to Finland.

All you need to know about The Hundred 2026; Check Men’s squads, schedule, and live streaming details



The stage is set for yet another edition of The Hundred 2026. The men’s tournament will kick off on July 21st, and the season opener will see MI London taking on Sunrisers Leeds. The two sides will meet at The Oval in London, and both sides will look to put in their best performance in the clash.

It is worth noting that the previous edition of the competition was won by Oval Invincibles (now MI London) as they defeated Trent Rockets in the final of the tournament, and the defending champions will hope to kick off their title defence with a good showing against Leeds. The competition kicks off on July 21. The eight teams will look to put in their best effort as the season begins. The final of the event will be held on August 16, and it could be interesting to see which side comes out on top.

Birmingham Phoenix Men’s squad: Jacob Bethell (c), Rehan Ahmed, Joe Clarke, Scott Currie, Laurie Evans, Donovan Ferreira, Saqib Mahmood, Matthew Montgomery, Mitch Owen, Mustafizur Rahman, Will Smeed, Usman Tariq, Jordan Thompson, Chris Wood, Sean Dickson, Tom Helm

Aminul Haque holds out hope for India-Bangladesh series, highlights importance of sports diplomacy



The Indian team has been long scheduled to tour Bangladesh, but due to several factors, the series has not conducted so far due to various factors. At the start of the year, the BCB (Bangladesh Cricket Board) had come forward and announced that they would be hosting India across three ODIs and three T20Is in August-September 2026. The decision was announced after the tour, which was originally slated to be held in 2025, was postponed due to the political tensions between the two sides. India and Bangladesh have had a strained relationship in recent times; the same also saw Bangladesh opt out of the T20 World Cup 2026 in India, citing security concerns. However, the BCB put up media rights for the India-Bangladesh series on sale earlier this month, which is one of the biggest signs that the tour could finally be conducted. Speaking on the same, Bangladesh’s state minister for youth and sports, Aminul Haque, came forward and talked about the potential smooth conduct of the series. “After arriving, I think that we will overcome the tension that was there (between the two countries) over a small incident in the past and hopefully our sports diplomacy, our communication, our movement, everything will continue with our neighbouring country,” he added. After months of controversy and developments, the conduct of the series looks more and more likely.

‘I didn’t believe him’: Sanju Samson opens up on Rohit Sharma’s advice, competition with Ishan Kishan



Star India batter Sanju Samson has had a roller coaster of a career. At the age of 31, Samson has experienced almost everything there is to experience. From squad snubs to IPL heroics, and capping it all off with some exceptional performances in the T20 World Cup 2026. Despite not being a part of India’s playing XI for a major part of the tournament, Samson was a sporadic part of India’s playing XI in the early stages of the competition but performed brilliantly in the last three games, becoming one of the biggest reasons for India’s title win. Speaking on the same, Samson talked about his conversation with former India skipper Rohit Sharma and revealed how he told him that he would get a chance later in the tournament. ”To be honest, I didn’t believe him at that time. Sorry. He might have spoken from his heart or from his experience, but that day I wasn’t able to see what he was seeing,” Samson said. “I went through that phase for four or five days before getting myself back on track. You know you’ve failed, so what’s next? You’re at the bottom, so from there, you can only go up. I started working on myself mentally. I started asking myself questions: why do I play cricket? What’s my purpose?” Samson told JioHotstar. Samson didn’t hide from what came next. As his form dipped, Ishan Kishan’s stock rose fast, and Samson knew exactly what that meant for his own place in the side. ”I could clearly see that Ishan was moving above me in the pecking order. You get five matches and score 24, 6, 6, 10 and 0, then another guy comes in, scores 70-odd straightaway, gets a hundred later in the series, and the next match is directly in the T20 World Cup. Anyone would prefer an in-form batter,” he said. “It was clear that the World Cup was done for me. Whatever had to happen had happened, and the only thing I could do was sit quietly and clap,” he said. He also credited his wife for a mindset shift during that stretch. “I realised I was overdoing it, and my wife was right, being happy and mentally in a good space is much more important than putting in hours and hours of practice. The New Zealand series taught me that,” he concluded. Although Samson spent much of the tournament on the sidelines, he made the most of his opportunities whenever called upon. Accepting the reality of the situation proved to be one of the toughest moments of his career.

Former India cricketer gives his take on Shubman Gill’s fitness after ODI series loss against England



India’s ODI series against England ended with the team suffering another defeat; the Men in Blue sustained losses in the second and third ODIs, losing the series. After the losses, India skipper Shubman Gill came forward and pointed out the fitness concerns in the side. However, it is worth noting that Gill himself was captured struggling with cramps throughout the series. In India’s chase of the 388-run target, Shubman Gill alone made 77 runs off 84 balls, including 10 fours and a six. In the midst of his batting spree during the 22nd over, Gill was seen looking uncomfortable. He had got down to stretch his legs. This was not the star’s only incident of feeling unwell. In the first ODI of the series, Gill had to retire injured after he was hit with muscle cramps, making 80 runs off his bat. Reflecting upon these moments, former India cricketer Irfan Pathan urged the importance of fitness and highlighted how fitness impacts the momentum of the game. At the same time, Irfan Pathan praised batter Rohit Sharma for his performance in the third ODI. Sharma’s first two matches in the series were below the expectations the fans had from him.

Ruturaj Gaikwad named captain as West Zone announce squad for Duleep Trophy

The Duleep Trophy is all set to kick off on August 23, and ahead of the new season, the teams have started to reveal their squads for the event. West Zone joined the bandwagon as they named their squad for the upcoming Duleep Trophy season. In a major development, star India batter Ruturaj Gaikwad has been named skipper of the West Zone for the tournament. It is worth noting that Shams Mulani has been named Gaikwad’s deputy in the squad, with the likes of Prithvi Shaw, Shivalik Sharma, Musheer and Sarfaraz Khan being a part of the squad as well. Harvik Desai and Urvil Patel have been picked as the two wicket-keepers in the side. The batting unit has a unique blend of youth and experience, and West Zone will look to put in their best performance in the upcoming tournament.

R Ashwin brands Rohit and Kohli as ‘untouchable’, reflects on their future in ODI cricket



The three-game ODI series between India and England ended in a disappointing defeat for the Indian team. The Men in Blue, after winning the first ODI of the series, succumbed to hefty losses in the second and third ODIs, effectively losing the series in the process as well.

There were many talking points from the series as India lost the three-game affair, with the biggest one being the presence and performances of Virat Kohli and Rohit Sharma. The two are in the twilight of their careers, but despite nearing the end, their class has remained. While Virat Kohli scored 74 runs in 60 deliveries in the third ODI, Rohit Sharma went on to score 138 runs to his name as well. Speaking on the same, former India cricketer Ravichandran Ashwin took centre stage and branded both Rohit and Kohli as untouchable in the side. ”They cannot touch Virat and Rohit if they want to play.

It is because of their credentials. Rohit has scored almost 12,000 runs; they cannot touch him. The other thing is that they are batters, and if you touch them, they have an army. People come to see them. If you drop them, it will just break the roof down,” Ashwin said in a video on his YouTube channel. Furthermore, Ashwin heaped massive praise on Rohit Sharma for his century in the third ODI. The veteran batter hit his 51st international century but was unable to take India over the finish line. ”This is a phenomenal knock. He was set after hitting that pull to Josh Tongue. I feel that this is Rohit’s road to a comeback after an injury. If he were in a slightly better state or were more confident, he could have scored 180 and won the match for the team. I felt like Rohit was in really good form,” Ashwin said.

Katherine Sciver-Brunt named Trent Rockets’ assistant coach ahead of The Hundred 2026



In a major development, The Hundred franchise, Trent Rockets Women, has come forward and named former England cricketer Katherine Sciver-Brunt as their new assistant coach ahead of the upcoming edition of The Hundred Women’s 2026. It is worth noting that the tournament is all set to kick off on July 21st, and the eight teams will look to put in their best showing. Furthermore, with the recruitment of Sciver-Brunt, Katherine will be working alongside her wife, Nat. Ever since retiring from cricket in 2023, this will be Katherine Sciver-Brunt’s first assignment. The 41-year-old is one of the greatest women’s cricketers in the history of England cricket, awarded an OBE for her services. Katherine Sciver-Brunt remains England women’s second-highest wicket-taker across formats with 335 wickets to her name. She will be working alongside head coach Chris Read and fielding coach Graeme White. Notably, Rockets were unable to make it to the knockout stages of the tournament in 2025, finishing in fourth place in the standings, and it could be interesting to see how they fare in the upcoming season. Speaking of the side’s schedule, Trent Rockets Women will kick off their campaign by taking on Birmingham Phoenix Women.

Calcutta High Court orders arrest of wicket-keeper batter Abhishek Porel over rape case

In a major development, the Calcutta High Court has come forward and ordered the immediate arrest of India wicket-keeper batter Abhishek Porel over a rape case. As part of the same ongoing case, the court has also directed the police to seize all the electronic devices of the batter to protect the complainant’s privacy. It is worth noting that the case came after Porel, who represents Delhi Capitals in the IPL, was accused of engaging a woman in a sexual relationship under the false promise of marriage, even subjecting her to assault and criminal intimidation in June 2026. Allegedly, Porel had also been threatening the victim to release her intimate photos and videos. The complaint was filed at Magra Police Station in Hooghly district; however, it is interesting to note that Porel denied the allegations.

बारिश के पानी से पैरों में हो रही है खुजली और फंगल इन्फेक्शन, तो अपनाकर देखें ये आसान उपाय



बारिश का मौसम हर किसी को सुखाना लगता है। एक तरफ जहाँ बारिश से पानी से राहत मिलती है तो वहीं दूसरी तरफ ये अपने साथ इंफेक्शन लेकर भी आता है। मानसून में जगह-जगह भरे गंदे पानी में भीगेने से पैरों में खुजली, रडनेस, और फंगल इंफेक्शन की समस्या होना बहुत आम है। पैरों में नमी और परीने के कारण बैक्टीरिया और फंगस तेजी से पनपने लगते हैं। इस समस्या से कई लोग परेशान रहते हैं। अगर आप भी बारिश के पानी की वजह से पैरों की खुजली और इंफेक्शन से परेशान हैं, तो दवाइयों के साथ-साथ कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर

इस समस्या से आप राहत पा सकते हैं। घर लौटते ही सबसे पहले अपने पैरों को साफ पानी से धोएं। इसके बाद एक टब में गुनगुना पानी लें और उसमें थोड़ा सा सेंधा नमक मिलाएं। इसमें 10-15 मिनट के लिए पैर डुबोकर रखें। नमक के एंटी-बैक्टीरियल गुण त्वचा से फंगस को खत्म करने और खुजली कम करने में मदद करते हैं। नीम को एंटी-फंगल और एंटी-सेप्टिक माना जाता है। नीम की पत्तियों को जाना में उबालकर उस पानी से पैरों को धोएं। इसके अलावा, आप इंफेक्शन वाली जगह पर नारियल तेल में नीम का तेल मिलाकर भी लगा सकते हैं।

इससे खुजली और जलन में तुरंत आराम मिलेगा। फंगल इंफेक्शन से छुटकारा पाने के लिए आप टी ट्री ऑयल भी इस्तेमाल कर सकते हैं। नारियल तेल या बादाम तेल की कुछ बूंदों में 2-3 बूंद टी ट्री ऑयल मिलाएं और रूई की मदद से प्रभावित जगह पर लगाएं। यह फंगस की ग्रोथ को रोकता है। एक टब में पानी भर लें। फिर इसमें बराबर मात्रा में पानी और एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर टब में डालें और उसमें 15 मिनट पैर को रखें। विनेगर का एसिडिक नेचर फंगल इंफेक्शन को कम करने में मदद करता है। पैरों को सुखकर रखें: नारंगी

या पैर धोने के बाद उंगलियों के बीच की जगह को तैलियन से अच्छी तरह सुखाएं। नमी फंगस का सबसे बड़ा कारण है। पैरों में नमी रोकने के लिए रोजाना टैल्कम पाउडर की जगह एंटी-फंगल पाउडर का इस्तेमाल करें। बारिश के दिनों में बंद जूते या गीले मोज पहनने से बचें। ऐसे जूते या स्लिपर पहनें जिनसे हवा का प्रवाह प्रतीत हो। अगर मोज बारिश में भीग जाएं, तो उनसे तुरंत उबार दें और साफ सूखे मोजे ही पहनें। लगातार या गंभीर संक्रमण की स्थिति में डॉक्टर द्वारा बताई गई एंटी-फंगल दवाओं और सलाह का पालन करना आवश्यक है।

तनाव दिमाग पर कैसे हावी हो रहा है, लंबे समय तक स्ट्रेस में रहने से क्या असर होता है?



तनाव शरीर का सबसे बड़ा दुश्मन बनता जा रहा है। भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव (Stress) लगभग हर व्यक्ति के जीवन का हिस्सा बन चुका है। नौकर का दबाव, आर्थिक चुनौतियाँ, पारिवारिक जिम्मेदारियाँ, रिश्तों में तनाव, सोशल मीडिया का प्रभाव और प्यूचर की चिंताएँ लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रहे हैं। यदि तनाव लंबे समय तक बना रहे, तो यह केवल मन ही नहीं बल्कि दिमाग की कार्यशैली को भी प्रभावित करने लगता है। सीनियर मनोचिकित्सक डॉक्टर गौरव गुप्ता (तुलसी हेल्थकेयर गुरुग्राम) से जानते हैं तनाव का दिमाग पर क्या असर होता है?

तनाव के समय शरीर में कॉर्टिसोल, जो एक स्ट्रेस हार्मोन होता है और एड्रेनालिन जैसे हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। थोड़े समय के लिए यह शरीर को चुनौतीपूर्ण

परिस्थितियों से निपटने में मदद करता है, लेकिन जब तनाव लगातार बना रहता है, तो यही हार्मोन दिमाग की कार्यक्षमता पर नकारात्मक प्रभाव डालने लगते हैं।

इससे सोचने-समझने, निर्णय लेने, याददाश्त और भावनाओं को नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। लगातार तनाव का सबसे बड़ा प्रभाव याददाश्त और

एकाग्रता पर पड़ता है। व्यक्ति छोटी-छोटी बातें भूलने लगता है, किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता और निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करता है।

कई लोग इसे सामान्य थकावट समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यह लंबे समय तक बने रहने पर संकेत हो सकता है अनियंत्रित तनाव चिंता (Anxiety), अवसाद (Depression), पैनिक अटैक और नींद से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकता है। लगातार तनाव में रहने वाले लोगों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, निराशा और सामाजिक दूरी बढ़ने लगती है।

सेब से कम फायदेमंद नहीं है अमरूद, डॉक्टर बताते हैं क्यों रोज खाना चाहिए

अमरूद के फायदों को आम लोग कम आंकते हैं, जबकि डॉक्टर अमरूद को सेब जितना फायदेमंद बताते हैं। सीजन पर रोजाना 1 अमरूद खाने से वही फायदे मिलते हैं जो आपको सेब खाने पर मिलते हैं। बिना सीजन के सेब खाना कई बार महंगा पड़ जाता है, ऐसे में सीजनल अमरूद काफी सस्ता और फायदों में सेब जितना

असरदार फल है। कुछ मामलों में तो अमरूद सेब से भी ज्यादा अच्छा है। अमरूद में विटामिन सी की मात्रा सेब से कहीं ज्यादा पाई जाती है। वहीं अमरूद में पाया जाने वाला फाइबर पेट के लिए बेहतरीन है। कुल मिलाकर पोषण के मामले में अमरूद महंगे फल सेब से जरा भी कम नहीं है। शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन

डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉक्टर
भुमेश त्यागी ने बताया रोज अमरूद
खाने के फायदे।
इम्युनिटी बढ़ाए- अमरूद में
विटामिन C की मात्रा काफी ज्यादा
होती है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक
क्षमता बढ़ाने में असरदार काम
करता है। रोजाना अमरूद खाने
से सर्दी-जुकाम, सीजनल बीमारी
और नॉर्मल इंफेक्शन का खतरा

कम होता है। सेब की तुलना में अमरूद में विटामिन सी काफी ज्यादा पाया जाता है। पाचन रखे दुरुस्त- फाइबर के मामले में सेब और अमरूद दोनों ही अच्छे फल हैं, लेकिन सेब से अमरूद में ज्यादा फाइबर होता है। अमरूद खाने से कब्ज की समस्या कम होती है और पाचन बेहतर बनता है। अमरूद खाने से पेट

काफी देर तक भरा रहता है और वजन भी कम होता है। कब्ज की समस्या वालों को अमरूद डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। दिल के लिए फायदेमंद अमरूद में मौजूद पोटेशियम और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाने में असरदार होते हैं।

घुटनों के दर्द और जकड़न से हैं परेशान? आयुष मंत्रालय ने बताई आसान 'नी मूवमेंट'



अगर आपको सिद्धियाँ चढ़ने-उतरने में घुटनों में दर्द होता है, लंबे समय तक बैठने के बाद उठने में परेशानी होती है या घुटनों में जकड़न महसूस होती है, तो आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है।

आयुष मंत्रालय ने एक आसान 'नी मूवमेंट' साझा किया है, जिसे नियमित रूप से करने से घुटनों की सेहत बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि घुटनों से जुड़ी परेशानियों से राहत पाने के लिए 'नी मूवमेंट' एक बेहतरीन आसान है।

को मोड़ें और शरीर को आधी कुर्सी जैसी यानी सेमी-स्क्वाट की स्थिति में ले जाएं। ध्यान रखें कि अंतिम स्थिति में आपकी जांघों और दोनों हाथ जमीन के समानांतर हों। कुछ क्षण इस स्थिति में रहें और फिर सांस लेते हुए धीरे-धीरे वापस सीधे खड़े हो जाएं। इसे एक राउंड माना जाएगा। इसी तरह कुल तीन राउंड पूरे करें।

अभ्यास समाप्त होने के बाद कुछ देर सामान्य अवस्था में खड़े होकर शरीर को आराम दें। आयुष मंत्रालय के मुताबिक इस योगाभ्यास को नियमित करने से घुटनों के जोड़ों की मूवमेंट बेहतर होती है। घुटनों के आसपास की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, जिससे जोड़ों पर दबाव कम पड़ता है। इसके अलावा शरीर का संतुलन बेहतर होता है, लचीलापन बढ़ता है और पैरों में ताकत आती है। यह अभ्यास उन लोगों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है, जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं, और जिनके पैरों में अकड़न या कमजोरी महसूस होती है।

योग करने समय जल्दबाजी बिल्कुल न करें। अपनी क्षमता के अनुसार ही घुटनों को मोड़ें और सांस लेने-छोड़ने की प्रक्रिया पर ध्यान दें।

**बच्चों की अच्छी मेंटल ग्रोथ के लिए क्या
खिलाएं, स्वामी रामदेव से जानिए कैसे
शरीर और दिमाग को बनाएं मजबूत**

बच्चों की मेंटल ग्रोथ इस वक्त काफी पैरेंट्स और टीचर्स के लिए बड़ा मुद्दा बना हुआ है। ज्यादातर लोग बच्चों के कंसर्टेशन-अटेंशन-डिफिसिट-कमजोर नजर और फिजिकल ग्रोथ को लेकर परेशान हैं। इसमें सबसे बड़ी वजह बन रहा है स्मार्ट फोन। ज्यादातर स्टूडेंट फोन का इस्तेमाल पढ़ाई से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए कर रहे हैं। बड़े हुए स्क्रीन टाइम से बच्चों में एंगर-एग्रेशन तो बढ़ा ही है। बच्चे रियलिटी से भी दूर भागने लगे हैं। मामला वाकई गंभीर है इसलिए स्वामी रामदेव से जानते हैं कि बच्चों को स्वस्थ, कुशल, अच्छे दिमाग वाला कैसे बनाएं।

ज्यादा स्क्रीन टाइम से बच्चे परेशान अटेंशन-डिफिसिट हाइपरएक्टिविटी खराब कंसर्टेशन

कमजोर नजर
ग्रोथ पर असर
ऑटिज्म
मोबाइल का इस्तेमाल ?
युवा 24 घंटे में से 5-6 घंटे सेलफोन पर
रहते हैं
नौकरी वाले 80% फोन पर रहते हैं
20% पढ़ाई करने वाले मोबाइल पर रहते हैं
MNC's वाले 8 घंटे लैपटॉप 5-6 घंटे
मोबाइल पर रहते हैं
तेज दिमाग के लिए क्या खिलाएं
ब्राह्मी
शंखपुष्पी
अश्वगंधा
बच्चों के लिए सुपरफूड
दूध, ड्राई फ्रूट
ओट्स, बींस, शकरकंद
मसूर दाल

यूरिक एसिड में इस पीले फल का सेवन है बेहद लाभकारी, पेट भी होता है साफ़

हाई यूरिक एसिड (high uric acid) तब होता है जब आपका शरीर यूरिक पचाने में असमर्थ होता है। बता दें, यूरिक शरीर में स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होने वाला पदार्थ है और कुछ खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों में भी ये काफी मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में इन खाद्य पदार्थों का सेवन आपके शरीर में यूरिक एसिड को बढ़ाता है। जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इस वजह से जोड़ों में क्रिस्टल जम होने लगते हैं जो गठियाँ जर्डींस में सूजन और सूखने का कारण बनते हैं। इससे गाँठ की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में इसे कंट्रोल करने के लिए डाइट बेहतर करें और अपने आहार में केला का

सेवन (Banana in Uric Acid) शुरू करें। चलिए, जानते हैं केला यूरिक एसिड को कैसे फायदेमंद है और इसका सेवन कैसे करें?

केला बहुत कम यूरिन वाला फूड है। यह विटामिन सी का भी एक अच्छा स्रोत है जो शरीर के एल्काइल नेचर को बढ़ाकर यूरिक एसिड के क्रिस्टल को पिघला सकता है। यानी जो यूरिन आपके जोड़ों में जमा हो जाते हैं और दर्द और सूजन पैदा करते हैं, केला उसे शरीर से डिटॉक्स करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा इसका सिट्रिक एसिड बॉडी में यूरिक एसिड की समस्या को कम करने में मदद करता है।

इस विटामिन की कमी से आती है
ज्यादा नींद, रातभर सोने के बाद भी
सुबह छाया रहता है आलस

रात में अच्छी और गहरी नींद आ जाए तो पूरा दिन फ्रेशनेस फील होती रहती है। हालाँकि कई बार रातभर सोने के बाद भी नींद पूरी नहीं होती है। सुबह उठने का मन नहीं करता और दिनभर आलस छाया रहता है। इसकी वजह नींद की कमी नहीं बल्कि शरीर में विटामिन की कमी भी हो सकती है। जी हाँ कई बार शरीर में कुछ खास विटामिन कम होने पर आपको नींद कम या ज्यादा होने लगती है जिससे दिनभर आलस और थकान महसूस होती है। शरीर में विटामिन और मिनरल्स का बैलेंस बिगड़ने से पूरे शरीर पर असर पड़ता है। ऐसे कई विटामिन हैं जिनकी कमी होने पर बहुत ज्यादा नींद आती है। आइए जानते हैं किस विटामिन की कमी से ज्यादा नींद आती है?

डी कम होने लगता है तो इससे नींद की समस्याएं पैदा होने लगती हैं। विटामिन डी की कमी से दिनभर थकान, कमजोरी और ज्यादा नींद आने की समस्या हो सकती है। विटामिन डी कम होने पर शरीर में कैल्शियम फास्फोरस की कमी भी बढ़ती है। जिससे हड्डियों में दर्द रहता है। इम्प्यूनिटी कमजोर होने लगती है और दिनभर आलस आता है। हर वक्त नींद जैसी महसूस होती रहती है। इसलिए शरीर में विटामिन डी की कमी न होने दें।

Vitamin B12- ज्यादा नींद आने की एक बड़ी वजह विटामिन बी12 की कमी भी हो सकती है। विटामिन बी12 कम होने पर शरीर को ज्यादा नींद आने लगती है। विटामिन बी12 लाने से न्यूरोलॉजिकल और मानसिक समस्याएं पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है।

कई बीमारियों का काल है बन सकता है ये कटीला पौधा, नाम है सत्यानाशी

बंजर नदी या फिर पार्क में अपने आप उग आने वाला एक कटीला पौधा है, जिसका इस्तेमाल कई आयुर्वेदिक दवाओं के रूप में किया जाता है। इस पौधे को सत्यानाशी कहते हैं। खाली जगह या जंगल में ये पौधा अपने आप उग आता है। इस पर पीले रंग का फूल आता है और पूरे पेड़ में कटे लगे होते हैं। ये पौधा बड़े कमाल का होता है। जानिए कौन सी बीमारियों में इसका उपयोग किया जाता है और इसका औषधीय महत्व क्या है?

आयुर्वेद की बात करें तो सत्यानाशी पौधा बहुत ही फायदेमंद औषधि मानी जाता है। इसके बीजों का इस्तेमाल कर कई बीमारियों

शरीर का संतुलन और रीढ़ की हड्डी मजबूत करने के लिए अपनाएं 'वशिष्ठासन', ऐसे करें अभ्यास

विशिष्टासन योगासन एक ऐसा शक्तिशाली आसन है, जो शारीरिक शक्ति और मानसिक एकाग्रता बढ़ाता है। यह एक साइड-प्लैंक अभ्यास नहीं है बल्कि अपनी सीमाओं को चुनौती देकर आंतरिक संतुलन पाने का मार्ग है। विशिष्टासन संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है। 'विशिष्ट' का अर्थ है 'श्रेष्ठ' या 'सबसे उत्तम' और 'आसन' का अर्थ है 'बैठने या शरीर की मुद्रा'। अंग्रेजी में इसे साइड प्लैंक पोज कहा जाता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर का भार एक हाथ और पैर के बाहरी किनारे पर संतुलित रहता है। सिर से लेकर एड़ियों तक शरीर एक सीधी तिखड़ी रेखा बनाता है। दूसरा हाथ सीधा ऊपर की ओर रहता है और

नजर ऊपर उठे हुए हाथ की ओर होती है। यह आसन शरीर में संतुलन, स्थिरता और एकाग्रता विकसित करता है। आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन के महत्व पर प्रकाश डाला है। उनके अनुसार, वशिष्ठासन (साइड प्लैंक) संतुलन और शारीरिक शक्ति बढ़ाने वाला एक प्रमुख योगासन है। यह मुद्रा शरीर के संतुलन, एकाग्रता और रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने में बेहद प्रभावी है। इस आसन के नियमित अभ्यास करने से चलने, खड़े रहने और लंबे समय तक कुर्सी पर बैठने में दौरेन भी शरीर की मुद्रा (पोस्चर) सुधरती है और संतुलन करने से बेहतर हो जाता है। यह आसन को पहले से के लिए सबसे पहला जमीन पर बैठ जाएँ और दोनों पैरों को

सांमने की तरफ सीधा फैला लें। अब अपने दोनों हाथों को हथेलियों के सहारे कूल्हों के पास जमीन पर टिका लें। अपने शरीर के पूरे वजन को धीरे-धीरे दाहिनी हथेली और दाहिने पैर के बाहरी हिस्से पर स्थानांतरित करें। अब अपने बाएं पैर को दाहिने पैर के ऊपर बिल्कुल सीधा रख लें (ताकि दोनों पैर एक-दूसरे के ऊपर आ जाएं)। बाएं हाथ को अपनी कमर पर टिका लें और दाहिने हाथ के मजबूत सहारे से शरीर को ऊपर की तरफ उठाएं। गहरी सांस लेते हुए अपने बाएं हाथ को आपसमान की तरफ बिल्कुल सीधा ऊपर उठाएं। गर्दन को ऊपर की ओर मोड़ें और अपनी बाएं हाथ की उंगलियों की रेखा देखें। इस स्थिति में शरीर एक सीधी रेखा में होना

चाहिए। इस अवस्था में कुछ सेकंड सामान्य रूप से सांस लेते हुए रहेंगे। इसके बाद धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए सामान्य अवस्था में वापस आ जाएंगे।

यदि आपको कलाई, कोहनी या कंधे में गंभीर चोट या दर्द हो, तो इस आसन से बचना। योग विशेषज्ञों के अनुसार, वशिष्ठासन व नियमित अभ्यास करने से कंधों, भुजाओं, कलाईयों, पेट की मांसपेशियों और पैरों में मजबूती आती है। यह कोर मसल व सक्रिय करता है, जिससे शरीर का संतुलन बेहतर होता है और रीढ़ को आवश्यक सहायता मिलता है। हालांकि, इस आसन का अभ्यास हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार और सावधानी के साथ करना चाहिए।



में किया जाता है। इसके बीज बिल्कुल सरसों के दानों के बराबर होते हैं। इसके अलावा पीले रंग के फूल भी फायदेमंद होते हैं। सल्फाशापी पौधे को स्वर्णश्रीरी, कटुपर्णी, पीला धतूरा, दारुडी नाम से भी जाना जाता है। इस पौधे का इस्तेमाल कई रोगों की दवा के रूप में किया जाता है। पित्तियों को मलेरिया बुखार, अल्सर और स्किन संबंधी समस्याओं में उपयोग किया जाता है। वहीं जड़ का इस्तेमाल यूरिन संबंधी समस्याओं के साथ स्किन संबंधी रोगों से निजात पाने के लिए भी किया जाता है। इसका सस्मा पोलियो, मोतियाबिंद, आंखों की लालिमा, अस्थमा जैसी बीमारियों में फायदा करता है।

Guillain Barre Syndrome
से बचने के लिए डाइट का
रखें खास ख्याल



महाराष्ट्र में गुडलेन-बैरै सिंड्रोम (GBS) के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। पुणे में कई केस सामने आने के बाद सोलापुर में गुडलेन-बैरै सिंड्रोम से एक की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग की मानें तो 26 जनवरी तक गुडलेन बैरै सिंड्रोम के 101 एक्टिव मरीज थे। जिसमें पुणे, पिंपरी चिंचवाड़ और कई दूसरे जिले शामिल हैं। GBS होने पर अगर समय रहते मरीज को इलाज न मिल पाए तो स्थिति गंभीर हो सकती है।

एसे में दिल्ली की एमडी मेडिसिन, डीएम न्यूरोलॉजी डॉ. प्रियंका सेहरावत ने एक वीडियो शेयर कर यह जानकारी दी है कि इस बीमारी से बचन के लिए आपको अपनी डाइट में क्या नहीं शामिल करना चाहिए? गुडलेन-बैरे सिंड्रोम में मांसपेशियों में कमजोरी आ जाती है। इस बीमारी में हाथ पैरों में गंभीर कमजोरी जैसे लक्षण भी होते हैं। जीबीएस के लक्षण आमतौर पर दोनों पैरों में शुरू होते हैं, फिर बाहों में ऊपर का ओर बढ़ते हैं। कभी-कभी, लक्षण बाहों या सिर में शुरू होते हैं और नीचे की ओर बढ़ते हैं। लक्षणों में कमजोरी और एक असहज झनझनाहट शामिल है। असामान्य संवेदन की तुलना में कमजोरी अधिक प्रमुख होती है। इन्फ्लू सिरिटम हमारे ही शरीर पर अटैक कर देता है। इसके लक्षण तेजी से फैलते हैं। इस बीमारी से बचने के लिए पनीर, चावल और चीज का सेवन न करें की सलाह दी है।

दिल्ली के लोधी कॉलोनी इलाके के एक घर में लगी भीषण आग, 2 बेटियों और उनकी मां की मौत, मचा हड़कंप

नई दिल्ली। दिल्ली की लोधी कॉलोनी इलाके के एक घर में भीषण आग लग गई, जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 2 बेटियां और उनकी मां शामिल हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह 10 बजकर 21 मिनट पर आग लगने की जानकारी मिली थी। घटना लोधी थाने के बीके दत्त कॉलोनी की है। 11 बजकर 10 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया। आज ही दिल्ली के फतेह

नगर में भी पार्किंग में आग लगी थी। यहां 4 वाहन जलकर राख हो गए और 8 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। ये घटना फतेह नगर इलाके में सुबह करीब 3:50 पर घटी। मिली जानकारी के मुताबिक, पार्किंग में रखे हुए 2 एलपीजी सिलेंडर आग की चपेट में आ गए, जिससे जोरदार धमाका हो गया और कई वाहन आग की चपेट में आ गए। हालांकि गनीमत ये रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

दमकल की 9 गाड़ियों ने विकराल आग पर काबू पाया और 8 लोगों को रेस्क्यू किया। बीती 5 जुलाई को ही दिल्ली के चंदन होला के कारखाने में भी भीषण आग लगी थी, जिसे बुझाने में 8 घंटे से ज्यादा की मशक्कत करनी पड़ी थी। यहां लगी आग को बुझाने में दमकल की 30 गाड़ियां पहुंची थीं और बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया गया था। ये कारखाना 5,000 वर्ग गज में फैला हुआ था।



हिमाचल में भारी बारिश का रेड अलर्ट, तीन जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद; कब तक बरसते रहेंगे बदरा?

हिमाचल प्रदेश में मानसून लगातार कहर बरपा रहा है। यहां नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और बादल फटने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। प्रदेश में भारी बारिश को लेकर मौसम विभाग ने 'रेड' अलर्ट जारी किया, जिसके मद्देनजर मंगलवार को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में सभी स्कूल और कॉलेज बंद रहे। लगातार बारिश के कारण शिमला जिले के ठियोग, चंबा के सलूणी और कुल्लू के निरमंड में भी सभी शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए। इस बीच मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में 27 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को कांगड़ा जिले के शाहपुर उप-संभाग की बोह घाटी में भारी बारिश की वजह से 6 घर बह गए। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बादल फटने से सपेड़ी और गुरुड़ गांवों में छह घर बह गए। लाम गांव पर भी खतरा मंडरा रहा है। गांवों तक जाने वाले कई रास्ते प्रभावित हुए हैं। किन्नौर जिले में लैंडस्लाइड के कारण पुराना हिंदुस्तान-तिब्बत मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग-5) यातायात के लिए बंद कर दिया गया। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

थाने पहुंचीं सोनिया गांधी, बेटे राहुल और बेटी प्रियंका की हुई रिहाई, अखिलेश भी हुए रिहा, जानें वजह

दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार, स्पेशल कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर देवेश श्रीवास्तव ने सभी स्पेशल कमिश्नर के साथ नई दिल्ली डीसीपी ऑफिस में मीटिंग की। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत सभी नेताओं को दिल्ली पुलिस ने कागजी कार्रवाई के बाद रिहा कर दिया। पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार मीटिंग से निकल गए थे, लेकिन बाकी स्पेशल कमिश्नर की मीटिंग जारी रही। बता दें कि तीन घंटे तक पुलिस हिरासत में रखने के बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव के साथ डिटेल किए गए सभी नेताओं को रिहा किया गया। कांग्रेस के सभी नेताओं को 65 दिल्ली पुलिस एक्ट (65 DP Act) में बुक किया गया था और तीन घंटे की हिरासत में रखने के बाद सभी नेताओं को दिल्ली पुलिस ने रिहा कर दिया। कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी खुद मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचीं थीं, जहां प्रियंका गांधी सहि विपक्ष के कुछ नेताओं को, जो लोक कल्याण मार्ग पर विरोध प्रदर्शन

कर रहे थे और जिन्हें दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था, कुछ देर पहले ही पुलिस स्टेशन लाया गया था। दिल्ली पुलिस एक्ट (Delhi Police Act) की धारा 65 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति किसी पुलिस अधिकारी द्वारा लिए गए उचित और वैध निर्देशों का पालन करने से इनकार करता है, विरोध करता है, या अनदेखी करता है, तो पुलिस अधिकारी उसे मौके से हटा सकता है, और बिना वारंट के हिरासत में ले सकता है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट (@SachinPilot) ने कहा, "लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता (LoP) और करीब 100-150 सांसद एक मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। हम कल युवाओं के साथ किए गए बर्ताव की निंदा करते हैं; उन पर लाठीचार्ज किया गया और छात्रों पर हमले हुए। सरकार और पुलिस का जो चेहरा सामने आया है, वह किसी को भी मंजूर नहीं है। जिस तरह लोकसभा में विपक्ष के नेता को जबरदस्ती हटाया गया... सवाल यह है कि सड़क का नाम बदलकर



'लोक कल्याण मार्ग' रखा गया है, तो जन-कल्याण के लिए राहुल गांधी वहां मौजूद थे। पायलट ने कहा, सरकार को शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना चाहिए था, छात्रों के खिलाफ दर्ज FIR वापस लेनी चाहिए थी और पेपर लीक के मामले पर बयान देना चाहिए था, लेकिन कई नेताओं को वहां से हटा दिया गया। यह लोकतंत्र के लिए एक काला दिन है। लोग नाराज हैं... जिस तरह राहुल गांधी को घसीटा गया, वह बदरश्त के बाहर है। लोग न्याय चाहते हैं और हम न्याय लेकर रहेंगे..." दिल्ली में हुए इस घटनाक्रम के बाद राजनीतिक माहौल और अधिक गर्म हो गया। विपक्षी दलों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल

उठाते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया, जबकि प्रशासन की ओर से कानून-व्यवस्था बनाए रखने को प्राथमिकता बताते हुए आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई। मामले को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और निर्धारित प्रतिबंधों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। वहीं कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे सांसदों और नेताओं के साथ पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई अनुचित थी।

राजा रघुवंशी मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को दिया अल्टीमेटम, “सरेंडर करो या मेरिट पर फैसला सुनो”

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने घटना के बाद सोनम के आचरण और रवैये पर भी सवाल खड़े किए।



मेघालय के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य आरोपी और मृतक की पत्नी सोनम रघुवंशी को दो विकल्प दिए हैं। मेघालय सरकार द्वारा सोनम को मिली जमानत को चुनौती देने वाली

याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने साफ किया है कि आरोपी के पास केवल दो ही रास्ते बचे हैं। सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप है। जस्टिस

एमएम सुंदेश और पीबी वराले की बेंच ने सोनम के वकील से कहा कि कोर्ट या तो उनकी दलीलें सुनने के बाद मेघालय सरकार की अपील (उनकी जमानत के खिलाफ) पर मेरिट के आधार पर फैसला कर

सकता है, या फिर जमानत के मामले पर विचार करने के दौरान उन्हें अभी सरेंडर करने (गवाहों से पूछताछ के लिए) का निर्देश दे सकता है। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा, “आपके (सोनम के वकील के) पास दो विकल्प हैं। या तो हम मेरिट के आधार पर आदेश पारित करेंगे या हम आपको सरेंडर करने के लिए कहेंगे और सरकारी गवाहों को आपसे पूछताछ करने देंगे। इस बीच, हम जमानत के मामले पर मेरिट के आधार पर फैसला करेंगे।” सोनम के वकील ने निर्देश लेने के लिए समय मांगा और कोर्ट को बताया कि वह गुरुवार तक जवाब देंगे। सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने घटना के बाद सोनम के बर्ताव पर भी सवाल उठाए और इस आरोप पर सफाई मांगी कि सोनम ने पहले यह बात नहीं उठाई थी कि

उन्हें “गिरफ्तारी के आधार” नहीं बताए गए थे। सोनम की जमानत का विरोध करते हुए, मेघालय सरकार की ओर से पेश भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि सोनम ने खुद पुलिस के सामने सरेंडर किया था और बाद में वह अपनी गिरफ्तारी को इस आधार पर चुनौती नहीं दे सकती कि उन्हें गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए गए थे। उन्होंने कहा कि अरेस्ट मेमो में कोई भी चूक महज एक क्लर्क की गलती थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, “अगर गिरफ्तार आरोपी रोग हाथों पकड़ा जाता है, तो गिरफ्तारी के कारण बताने की कोई जरूरत नहीं होती। अगर आरोपी खुद पुलिस के पास आती है, तो पुलिस के लिए गिरफ्तारी का कोई कारण नहीं बनता।”

कनिष्क नारायण बने ब्रिटेन के पहले कैबिनेट-स्तरीय AI मंत्री, बिहार के मुजफ्फरपुर से क्या है कनेक्शन?



बिहार के मुजफ्फरपुर के रहने वाले भारतीय मूल के नेता कनिष्क नारायण ने ब्रिटेन की राजनीति में नया इतिहास रच दिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंटी बर्नहम ने उन्हें कैबिनेट स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मंत्री नियुक्त किया है। इसके साथ ही ब्रिटेन में पहली बार AI के लिए समर्पित मंत्रालय को सीधे कैबिनेट का दर्जा मिला है और इसकी जिम्मेदारी भारतीय मूल के युवा नेता को सौंपी गई है। मुजफ्फरपुर की छोटी-छोटी गलियों से शुरू हुआ कनिष्क का यह सफर दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र में से एक केंद्रीय मंत्रिमंडल तक पहुंच चुका है। कनिष्क नारायण का जन्म मुजफ्फरपुर शहर के दामुचक स्थित ऐतिहासिक सोधो हाउस में हुआ था। 12 वर्ष की उम्र

में उनका परिवार बेहतर भविष्य की तलाश में वेल्स की राजधानी कार्डिफ चला गया। शुरुआती दिनों में परिवार ने आर्थिक संघर्ष का सामना किया और एक छोटे से फ्लैट में रहते हुए कनिष्क ने स्थानीय सरकारी स्कूल से अपनी पढ़ाई शुरू की। बाद में उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा प्राप्त की और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से एमबीए किया। राजनीति में आने से पहले वह ब्रिटेन के कैबिनेट ऑफिस में वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार रहे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री और वरिष्ठ मंत्रियों को नीतिगत सलाह दी। उन्होंने अमेरिका की सिलिकॉन वैली की कई प्रमुख टेक कंपनियों में भी काम किया। साल 2024 के आम चुनाव में कनिष्क लेबर

पार्टी के टिकट पर वेल्स की वेल् ऑफ ग्लैमॉर्गन सीट से सांसद चुने गए। वह इस क्षेत्र से चुने जाने वाले पहले एथनिक माइनॉरिटी सांसद भी बने। सितंबर 2025 में उन्हें AI एवं ऑनलाइन सेफ्टी मंत्री बनाया गया था और अब उन्हें कैबिनेट में पदोन्नत कर AI मंत्रालय की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। कनिष्क नारायण, मुजफ्फरपुर के प्रतिष्ठित एसकेजे लॉ कॉलेज के निदेशक जयंत कुमार के भतीजे हैं। उनके पिता संतोष कुमार और माता चेतना सिन्हा कार्डिफ में प्रतिष्ठित सॉलिसिटर हैं, जबकि बड़े भाई डॉ. गौतम नारायण लंदन में डॉक्टर हैं। विशेष रूप से तकनीक और नवाचार जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में उनका नेतृत्व भविष्य की नीतियों को नई दिशा दे सकता है।